

Test Series Question Paper-03-02-2024

Q1. 'रेगुलेटिंग एक्ट, 1773' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस अधिनियम ने एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीश शामिल थे।
2. युद्ध और शांति के मामलों पर अंतिम निर्णय गवर्नर जनरल का होता था।
3. गवर्नर-जनरल-इन-काउंसिल को गृह सचिव की पूर्वानुमति के बिना नियम बनाने की शक्ति थी।

उपर्युक्त में से कितने कथन गलत हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

रेगुलेटिंग एक्ट, 1773 की मुख्य विशिष्टताएँ हैं:

- कथन 1 सही है: एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीशों वाला एक उच्चतम न्यायालय बंगाल में स्थापित किया गया था। गवर्नर जनरल और उनकी परिषद के सदस्यों के अलावा, इसमें कंपनी के प्रभुत्व में सभी ब्रिटिश विषयों पर नागरिक, आपराधिक, नौवहन विभाग और चर्च संबंधी अधिकार क्षेत्र शामिल थे।
- गवर्नर जनरल और उसके चार पार्षदों को नागरिक और सैन्य मामलों की देखभाल करनी थी और जिनका उल्लेख पहले अधिनियम में किया गया था।
- उन्हें पाँच वर्षों तक पद पर बने रहना था और उनके कार्यकाल के दौरान राजा केवल निदेशक मंडल के प्रतिनिधित्व पर ही उन्हें हटा सकते थे।
- कथन 2 सही है: युद्ध और शांति के मामलों में, गवर्नर जनरल के निर्णय को मद्रास और बॉम्बे के गवर्नरों द्वारा व्यक्त की गई राय से ऊपर अंतिम माना जाता था।
- यदि अधिकारियों ने बेहतर योग्यता दिखाई तो वेतन बढ़ा दिया गया। कंपनी के कर्मचारियों को उपहार या रिश्वत स्वीकार करने और निजी व्यापार में शामिल होने की अनुमति नहीं थी।
- कथन 3 गलत है: केवल गृह सचिव की पूर्व अनुमति से ही गवर्नर जनरल-इन-काउंसिल नियम बना सकता है।
- गवर्नर जनरल-इन-काउंसिल को नियम, अध्यादेश और विनियम जारी करने का अधिकार था, हालाँकि उन्हें उच्चतम न्यायालय में पंजीकृत होना पड़ता था।

Q2. चार्टर अधिनियमों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

चार्टर अधिनियम	प्रावधान
----------------	----------

1793 का चार्टर अधिनियम	ईसाई मिशनरी को भारत आने की अनुमति दी गई
1813 का चार्टर अधिनियम	सिविल सेवकों के चयन के लिए खुली प्रतियोगिता की शुरुआत की गई
1833 का चार्टर अधिनियम	नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों को भारतीय राजस्व से भुगतान किया जाएगा

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- युग्म 1 गलत है: 1793 के चार्टर अधिनियम में यह निर्धारित किया गया था कि अब से नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों और उनके कर्मचारियों को भारतीय राजस्व से भुगतान किया जाएगा।
- युग्म 2 गलत है: 1813 के चार्टर अधिनियम ने ईसाई मिशनरियों के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से भारत आने की अनुमति दी।
- युग्म 3 गलत है: 1833 के चार्टर अधिनियम में सिविल सेवकों के चयन के लिए खुली प्रतियोगिता की एक प्रणाली शुरू करने का प्रयास किया गया और कहा गया कि भारतीयों को कंपनी के तहत किसी भी स्थान, कार्यालय और रोजगार को रखने से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। हालाँकि, निदेशक न्यायालय के विरोध के बाद इस प्रावधान को अस्वीकार कर दिया गया था।

Q3. चार्टर अधिनियम 1813 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चीन के साथ चाय व्यापार में कंपनी का एकाधिकार समाप्त कर दिया गया।
2. इस अधिनियम ने भारत में कर लगाने की स्थानीय सरकारों की शक्ति पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

चार्टर एक्ट 1813 के महत्वपूर्ण प्रावधान:

- कथन 1 गलत है: चीन के साथ चाय व्यापार में कंपनी का एकाधिकार अपरिवर्तित रखा गया था, लेकिन भारत के साथ व्यापार एकाधिकार समाप्त कर दिया गया था और इंग्लैंड के निजी व्यापारियों को भारत के साथ मुक्त व्यापारिक संपर्क विकसित करने की अनुमति दी गई थी।
- कंपनी के संविधान में कोई बदलाव नहीं किया गया और शामिल राजस्व के साथ भारत में इसके क्षेत्रीय अधिग्रहण का अनुदान अगले बीस वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया।
- भारत में शासन के संदर्भ में कुछ भी महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ, सिवाय इसके कि 1813 के चार्टर अधिनियम ने पहली बार भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों की संवैधानिक स्थिति को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया।
- कथन 2 गलत है: अधिनियम ने भारत में स्थानीय सरकारों को व्यक्तियों पर कर लगाने और उन्हें भुगतान नहीं करने वालों को दंडित करने का भी अधिकार दिया।

Q4. 1833 के चार्टर अधिनियम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस अधिनियम द्वारा कंपनी के वाणिज्यिक कार्य छीन लिये गये।
2. इस अधिनियम ने बॉम्बे और मद्रास के राज्यपाल की विधायी शक्तियों को बढ़ा दिया।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: 1833 के चार्टर अधिनियम द्वारा कंपनी के वाणिज्यिक कार्यों को छीन लिया गया था और कंपनी को अब से केवल एक राजनीतिक पदाधिकारी के रूप में भारत में रहना था।
- इसमें प्रावधान था कि भारत में कंपनी के क्षेत्र ब्रिटिश ताज के भरोसे उसके पास थे।
- कथन 2 गलत है: इस अधिनियम ने बॉम्बे और मद्रास के राज्यपालों को उनकी विधायी शक्तियों से भी वंचित कर दिया।
- भारत के गवर्नर-जनरल को संपूर्ण ब्रिटिश भारत के लिए विशेष विधायी शक्तियाँ दी गईं।
- पिछले अधिनियमों के तहत बनाए गए कानूनों को विनियम कहा जाता था जबकि इस अधिनियम के तहत बनाए गए कानूनों को अधिनियम कहा जाता था।

Q5. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

अधिनियम	प्रावधान
1. 1853 का चार्टर अधिनियम	भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) का परिचय।

2. 1858 का चार्टर अधिनियम	राज्य सचिव का कार्यालय बनाया गया
3. 1861 का भारतीय परिषद अधिनियम	दोहरी सरकार का उन्मूलन और चूक का सिद्धांत

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- युग्म 1 सही है: 1853 के चार्टर अधिनियम ने भारतीय सिविल सेवाओं को जन्म दिया, जो भारतीयों सहित सभी के लिए खुली थीं। इसने सिफारिशों के आधार पर नियुक्तियों की प्रणाली को खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की योग्यता-आधारित प्रणाली से बदल दिया।
- युग्म 2 सही है: 1858 के चार्टर अधिनियम के अनुसार, इसने भारत के लिए राज्य सचिव नामक एक नया कार्यालय बनाया, जिसे भारतीय प्रशासन पर पूर्ण अधिकार और नियंत्रण सौंपा गया। राज्य सचिव ब्रिटिश मंत्रिमंडल का सदस्य होता था और अंततः ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी होता था।
- युग्म 3 गलत है: 1858 के चार्टर अधिनियम ने नियंत्रण बोर्ड और निदेशक मंडल को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।

Q6. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र
2. प्रत्यक्ष चुनाव का परिचय
3. विधान परिषद का विस्तार

भारतीय परिषद अधिनियम 1892 के संबंध में उपर्युक्त में से कितने कथन गलत हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: भारतीय परिषद अधिनियम 1909 ने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की अवधारणा पेश की। इसका मतलब था कि मुसलमानों के पास विधान परिषदों में सीटें आरक्षित होंगी और केवल मुस्लिम मतदाता ही इन प्रतिनिधियों का चुनाव कर सकते थे। यह

प्रावधान मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को दूर करने और उन्हें एक अलग राजनीतिक आवाज़ देने का एक प्रयास था।

- कथन 2 सही है: हालाँकि 1892 के भारतीय परिषद अधिनियम में 'चुनाव' शब्द का उपयोग नहीं किया गया था, लेकिन इसने कुछ गैर-आधिकारिक सदस्यों की नियुक्ति में अप्रत्यक्ष चुनाव के तत्व को स्वीकार किया था। इससे परिषद के सदस्यों के चयन में कुछ चुनावी भागीदारी की अनुमति मिल गई।
- कथन 3 सही है: इस कानून के परिणामस्वरूप गवर्नर-जनरल की विधान परिषद का विस्तार हुआ, जिसे बाद में भारतीय विधान परिषद के रूप में जाना जाने लगा। यह वृद्धि परिषदों में अधिक प्रतिनिधित्व की कांग्रेस की माँग के अनुरूप थी।

Q7. भारत सरकार अधिनियम, 1919 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने भारत सरकार अधिनियम, 1909 द्वारा शुरू किए गए मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों को समाप्त कर दिया।
2. इसने लंदन में भारत के उच्चायुक्त का एक नया कार्यालय बनाया।
3. इसने पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

भारत सरकार अधिनियम 1919 के प्रावधान:

- कथन 3 सही है: भारत सरकार अधिनियम 1919 ने पहली बार भारत में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की। इसने भारतीय विधान परिषद को द्विसदनीय विधायिका से प्रतिस्थापित कर दिया जिसमें एक ऊपरी सदन, राज्य परिषद और एक निचला सदन, विधान सभा शामिल थी। दोनों सदनों के अधिकांश सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गये।
- कथन 2 सही है: इसमें यह भी पुष्टि की गई है कि लंदन में रहने वाला एक उच्चायुक्त ग्रेट ब्रिटेन में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। भारत सरकार अधिनियम दस वर्षों तक, अर्थात् 1919 से 1929 तक अधिनियमित किया गया था।
- कथन 1 गलत है: इसने सिखों, भारतीय ईसाइयों, एंग्लो-इंडियन और यूरोपीय लोगों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को बढ़ाया।
- इसने संपत्ति, कर या शिक्षा के आधार पर सीमित संख्या में लोगों को मताधिकार प्रदान किया।

Q8. नेहरू रिपोर्ट 1928 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारतीयों द्वारा अपने लिए संविधान बनाने का पहला प्रयास था।
2. इसमें न्यायसंगत मौलिक अधिकारों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर एक अध्याय शामिल था।
3. इसने भारत के लिए गैर-प्रभुत्व का दर्जा प्रस्तावित किया।
4. इसमें सुझाव दिया गया कि सरकार संसदीय पद्धति पर बनाई जानी चाहिए।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 1, 2 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: नेहरू रिपोर्ट वास्तव में भारतीयों द्वारा अपने देश के लिए संविधान बनाने का पहला प्रयास था। इससे पहले, 1919 का भारत सरकार अधिनियम और 1928 का साइमन कमीशन भारत के लिए एक संवैधानिक ढाँचा स्थापित करने के लिए ब्रिटिश नेतृत्व वाली पहल थी।
- 19 मई 1929 को बम्बई में सर्वदलीय सम्मेलन में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की गयी। समिति ने भारत के संविधान के सिद्धांतों की स्थापना की। समिति की रिपोर्ट, जो 10 अगस्त 1928 को प्रस्तुत की गई, बाद में नेहरू रिपोर्ट के रूप में प्रसिद्ध हुई।
- कथन 2 सही है: नेहरू रिपोर्ट में मौलिक अधिकारों और अल्पसंख्यक अधिकारों पर एक व्यापक अध्याय शामिल था। यह भारत में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को स्थापित करने और विविध समूहों के हितों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।
- कथन 3 गलत है: नेहरू रिपोर्ट ने गैर-प्रभुत्व दर्जे की वकालत नहीं की। इसके विपरीत, इसने ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के भीतर भारत के लिए प्रभुत्व का दर्जा प्रस्तावित किया। डोमिनियन स्थिति का तात्पर्य ब्रिटिश क्राउन के अधीन रहते हुए स्व-शासन और आंतरिक मामलों पर नियंत्रण था।
- कथन 4 सही है: नेहरू रिपोर्ट ने भारत के लिए सरकार की संसदीय प्रणाली की कल्पना की थी। इसका मतलब यह था कि राज्य का मुखिया एक प्रतीकात्मक व्यक्ति होगा, जबकि कार्यकारी शक्ति निर्वाचित प्रधान मंत्री और संसद के पास रहेगी।

Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्वैध शासन का उन्मूलन
2. ब्रिटिश भारत एवं रियासतों के एक संघ की स्थापना
3. सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों का उन्मूलन

उपर्युक्त में से कौन सी सिफारिशें साइमन कमीशन की थीं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- साइमन आयोग, जिसे आधिकारिक तौर पर साइमन वैधानिक आयोग के रूप में जाना जाता है, ब्रिटिश भारत में संवैधानिक सुधारों की जांच करने और सिफारिशें करने के लिए 1927 में स्थापित एक ब्रिटिश संसदीय आयोग था।
- कथन 1 सही है: साइमन कमीशन ने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त करने की सिफारिश की थी, जिसका अर्थ था सरकार की दोहरी प्रणाली का अंत जिसमें कुछ शक्तियाँ निर्वाचित भारतीय प्रतिनिधियों को सौंप दी गईं जबकि अन्य शक्तियाँ ब्रिटिश नियंत्रण में रहीं।
- कथन 2 सही है: साइमन कमीशन ने ब्रिटिश भारत के लिए एक संघीय प्रणाली की स्थापना की सिफारिश की थी, लेकिन इसने रियासतों के मुद्दे को विशेष रूप से संबोधित नहीं किया था। संघीय व्यवस्था में रियासतों की भागीदारी का प्रश्न जटिल था और साइमन कमीशन की सिफारिशों से इसका पूरी तरह समाधान नहीं हुआ था।
- कथन 3 गलत है: साइमन कमीशन ने सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों को समाप्त करने की सिफारिश नहीं की थी। वास्तव में, इसने सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें नहीं कीं, जो उस समय भारतीय राजनीति में एक विवादास्पद मुद्दा था।

Q10. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इसने प्रांतों और केंद्र दोनों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया।
2. केंद्रीय विधानमंडल को द्विसदनीय बनाया गया जिसमें संघीय विधानसभा और राज्यों की परिषद शामिल थी।
3. सभी प्रांतों में द्विसदनीय विधायिकाएँ शुरू की गईं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: भारत सरकार अधिनियम 1935 ने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और केंद्र में द्वैध शासन की व्यवस्था जारी रखी। इस प्रणाली के अनुसार, रक्षा, विदेशी मामले,

चर्च संबंधी मामले और जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन गवर्नर-जनरल को अपने विवेक से अपने द्वारा नियुक्त 'परामर्शदाताओं' की मदद से करना था। ये परामर्शदाता विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं थे।

- उपर्युक्त आरक्षित विषयों के अलावा अन्य मामलों के संबंध में, गवर्नर-जनरल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना था जो विधायिका के प्रति उत्तरदायी था। हालाँकि, गवर्नर-जनरल की 'विशेष जिम्मेदारियों' के संबंध में, वह मंत्रियों द्वारा दी गई सलाह के विपरीत कार्य कर सकता था।
- कथन 3 गलत है: इसने ग्यारह में से छह प्रांतों, जैसे असम, बॉम्बे, बंगाल, मद्रास, बिहार और संयुक्त प्रांत में द्वासदनीयता की शुरुआत की। हालाँकि, केंद्रीय और प्रांतीय विधानमंडलों की विधायी शक्तियों की विभिन्न सीमाएँ थीं और उनमें से किसी में भी संप्रभु विधानमंडल की विशेषताएँ नहीं थीं।
- कथन 2 सही है: संघीय विधानमंडल में दो सदन शामिल होने चाहिए: राज्य परिषद (उच्च सदन) और संघीय विधानसभा (निचला सदन)।

प्रश्न 11. भारत के संविधान का कौन-सा भाग कल्याणकारी राज्य के आदर्श की घोषणा करता है?

- (a) राज्य के नीति निदेशक तत्व
- (b) मौलिक अधिकार
- (c) प्रस्तावना
- (d) सातवीं अनुसूची

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- राज्य के नीति निदेशक तत्व एक 'कल्याणकारी राज्य' की अवधारणा को दर्शाते हैं। कल्याणकारी राज्य शासन करने का एक तरीका है जिसमें राज्य या सामाजिक संस्थाओं का एक स्थापित समूह अपने नागरिकों को बुनियादी सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। अतः विकल्प (a) सही है।

प्रश्न 12. भारत में, न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण, किसके द्वारा किया जाता है?

- (a) संविधान की प्रस्तावना
- (b) राज्य के नीति निदेशक तत्व

(c) सातवीं अनुसूची

(d) परम्परागत व्यवहार द्वारा

उत्तर: (b)

व्याख्या:

अनुच्छेद 50 न्यायपालिका से कार्यपालिका के पृथक्करण को निर्धारित करता है। राज्य, राज्य की सार्वजनिक सेवाओं में न्यायपालिका और कार्यपालिका के पृथक्करण के लिए कदम उठाएगा। यह राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का एक हिस्सा है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

Q13. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. बलदेव सिंह
2. सर शफाअत अहमद खान
3. जॉन मथाई
4. सी.एच. भाभा

उपर्युक्त में से किसने 1946 में भारत की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व किया था?

- (a) 1 और 4
- (b) 1, 3 और 4
- (c) 2, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

- 2 सितंबर 1946 को कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनाई। 23 सितंबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने कांग्रेस कार्य समिति के फैसले की पुष्टि की।
- विकल्प 2 गलत है: मुस्लिम लीग ने शुरू में सरकार से बाहर बैठने का फैसला किया और आसफ अली, सर शफाअत अहमद खान और सैयद अली ज़हीर, सभी गैर-लीग मुस्लिम प्रतिनिधियों ने मुसलमानों के लिए आरक्षित पांच मंत्रालयों में से तीन पर कब्जा कर लिया और दो पद रिक्त रह गये।
- हालाँकि, लॉर्ड वेवेल ने मुस्लिम लीग को सभी पांच आरक्षित विभाग आवंटित करने पर सहमति व्यक्त की, यदि वह सहयोग करने के लिए सहमत हो, तो अंततः मुस्लिम लीग इसमें शामिल हो गई। अक्टूबर में, मुस्लिम लीग के नए सदस्यों को शामिल करने के लिए कैबिनेट में फेरबदल किया गया और पिछली टीम से शरत चंद्र बोस, सर शफाअत अहमद खान और सैयद अली ज़हीर को हटा दिया गया।

- विकल्प 1, 3 और 4 सही हैं: बलदेव सिंह, सी.एच. भाभा और जॉन मथाई अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करते रहे।

Q14. भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाले संविधान सभा के सदस्य थे:

- (a) ब्रिटिश संसद द्वारा मनोनीत।
- (b) गवर्नर जनरल द्वारा मनोनीत।
- (c) विभिन्न प्रांतों की विधान सभाओं द्वारा निर्वाचित।
- (d) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा निर्वाचित।

उत्तर: c

व्याख्या:

- विभिन्न प्रांतों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य संविधान सभा के सदस्य निर्वाचित होते हैं। इसलिए, विकल्प (c) सही है।
- प्रत्येक प्रांत और प्रत्येक भारतीय राज्य या राज्यों के समूह को उनकी संबंधित जनसंख्या के अनुपात में लगभग एक से दस लाख के अनुपात में सीटों की कुल संख्या आवंटित की गई थी।
- परिणामस्वरूप, प्रांतीय विधान सभाओं के माध्यम से 292 सदस्य चुने गए और 4 सदस्यों को मुख्य आयुक्त के प्रांतों का प्रतिनिधित्व किया गया, जबकि भारतीय रियासतों को न्यूनतम 93 सीटें आवंटित की गईं।

Q15. संविधान सभा से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान सभा को आंशिक रूप से निर्वाचित और आंशिक रूप से नामांकित निकाय होना था।
2. विधानसभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को नई दिल्ली में हुई।
3. बी.एन. राव को संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 1 सही: संविधान सभा वास्तव में आंशिक रूप से निर्वाचित और आंशिक रूप से नामांकित निकाय थी। निर्वाचित सदस्य प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा चुने जाते थे, जबकि नामांकित सदस्य रियासतों, अल्पसंख्यकों और अन्य विशेष हितों के प्रतिनिधि होते थे।
- कथन 2 सही है: संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को नई दिल्ली में हुई थी। इस ऐतिहासिक घटना ने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया की शुरुआत को चिह्नित किया।

- कथन 3 गलत है: हालाँकि, बी.एन. राव को संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष नहीं बनाया गया। संविधान सभा के पहले अस्थायी अध्यक्ष सच्चिदानंद सिन्हा थे, जो 1947 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को विधानसभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में चुने जाने तक इस पद पर कार्यरत रहे।

Q16. संविधान सभा के सदस्यों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

सदस्य	पोर्टफोलियो
1. डॉ. राजेंद्र प्रसाद	संविधान सभा के अध्यक्ष
2. एचवीआर अयंगर	संविधान सभा के महासचिव
3. एसएन मुखर्जी	संविधान सभा के उपाध्यक्ष

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- केवल तीन
- सभी चार

उत्तर: b

व्याख्या:

- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई। मुस्लिम लीग ने बैठक का बहिष्कार किया और एक अलग राज्य पाकिस्तान पर जोर दिया।
- इस प्रकार, बैठक में केवल 211 सदस्यों ने भाग लिया। सबसे बुजुर्ग सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को फ्रांसीसी प्रथा का पालन करते हुए संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में चुना गया।
- युग्म 1 सही है: डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।
- युग्म 2 सही है: एचवीआर अयंगर संविधान सभा के महासचिव थे।
- युग्म 3 गलत है: इसी प्रकार, दोनों एच.सी. मुखर्जी और वी.टी. कृष्णामाचारी को संविधान सभा के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया। दूसरे शब्दों में, संविधान सभा में दो उपाध्यक्ष होते हैं।

Q17. संविधान सभा की प्रारूप समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

इसका गठन 13 दिसंबर 1946 को के.एम. मुंशी की अध्यक्षता में किया गया था।

कथन II:

इसने 21 फरवरी 1948 को संविधान सभा के अध्यक्ष को मसौदा संविधान प्रस्तुत किया।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है

- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
 (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
 (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: संविधान के निर्माण में प्रारूप समिति द्वारा बहुत मूल्यवान भूमिका निभाई गई थी। समिति का गठन 29 अगस्त 1947 को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में किया गया था।
- कथन 2 सही है: मसौदा समिति ने 21 फरवरी 1948 को संविधान सभा को अपनी रिपोर्ट (मसौदा) सौंपी और संविधान सभा ने इस पर बहस की।
- इन चर्चाओं के आधार पर मसौदा समिति द्वारा एक नया मसौदा तैयार किया गया और 4 नवंबर 1948 को विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। 14 नवंबर 1949 से 26 नवंबर 1949 तक मसौदे पर अंतिम बहस हुई।
- मसौदा समिति में सात सदस्य थे: अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर, एन. गोपालस्वामी; बी.आर. अम्बेडकर, के.एम. मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, बी.एल. मित्र और डी.पी. खेतान। 30 अगस्त 1947 को अपनी पहली बैठक में मसौदा समिति ने बी.आर. अम्बेडकर को अपना अध्यक्ष चुना।

Q18. राष्ट्रीय ध्वज समिति के अध्यक्ष कौन थे?

- (a) सी. राजगोपालाचारी
 (b) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
 (c) जे.बी. कृपलानी
 (d) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

उत्तर: b

व्याख्या:

- स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने के लिए 23 जून 1947 को भारत की संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज समिति की नियुक्ति की गई थी। समिति की अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की और इसमें मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरोजिनी नायडू, सी. राजगोपालाचारी, के.एम. मुंशी और बी.आर. अम्बेडकर जैसे अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। इसलिए, विकल्प (b) सही है।
- जे.बी. कृपलानी किसी भी ध्वज समिति के न तो अध्यक्ष थे और न ही सदस्य।

Q19. निम्नलिखित में से किस बिंदु के लिए संविधान सभा की आलोचना की गई है?

1. कोई प्रतिनिधि संस्था नहीं
2. एक संप्रभु निकाय
3. समय लेने वाला

कोड:

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: आलोचकों ने तर्क दिया है कि संविधान सभा एक प्रतिनिधि निकाय नहीं थी क्योंकि इसके सदस्य सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर भारत के लोगों द्वारा सीधे नहीं चुने गए थे।
- कथन 2 गलत है: आलोचकों का कहना था कि संविधान सभा एक संप्रभु निकाय नहीं थी क्योंकि यह ब्रिटिश सरकार के प्रस्तावों द्वारा बनाई गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि संविधान सभा ने ब्रिटिश सरकार की अनुमति से अपने सत्र आयोजित किए।
- कथन 3 सही है: आलोचकों के अनुसार, संविधान सभा को संविधान बनाने में अनावश्यक रूप से लंबा समय लगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी संविधान के निर्माताओं को अपना काम पूरा करने में केवल चार महीने लगे थे।

Q20. भारत के संविधान में मौलिक अधिकार को शामिल करने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: इसका उद्देश्य राजनीतिक लोकतंत्र सुनिश्चित करना है।

कथन II: ये अधिकार प्रकृति में पूर्ण हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन I सही है: मौलिक अधिकार राज्य की शक्ति के विरुद्ध नियंत्रण हैं। नागरिकों को मौलिक अधिकार प्राप्त हैं और वे राज्य की शक्तियों पर सीमाएं लगाते हैं। उनका लक्ष्य राजनीतिक लोकतंत्र सुनिश्चित करना है।
- कथन II गलत है: मौलिक अधिकार लोगों को राज्य की मनमानी कार्रवाई से बचाते हैं। ये अधिकार प्रकृति में पूर्ण नहीं हैं। राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध,

सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता सुनिश्चित करने या अदालत की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने के संबंध में उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

प्रश्न 21. निम्नलिखित मौलिक अधिकारों में से किस संवर्ग में अस्पृश्यता के रूप में किये गये विभेदन के विरुद्ध संरक्षण समाविष्ट है?

- (a) शोषण के विरुद्ध अधिकार
- (b) स्वतंत्रता का अधिकार
- (c) संवैधानिक उपचार का अधिकार
- (d) समानता का अधिकार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन से संबंधित है। “अस्पृश्यता” को समाप्त करना और किसी भी रूप में इसका प्रयोग निषिद्ध है। “अस्पृश्यता” के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव दंडनीय अपराध है। अतः विकल्प (d) सही है।

प्रश्न 22. एक संवैधानिक सरकार है:

- (a) विधायिका द्वारा सरकार
- (b) लोकप्रिय सरकार
- (c) बहुदलीय सरकार
- (d) सीमित सरकार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संवैधानिक सरकार परिभाषा के अनुसार सीमित सरकार है। इसका तात्पर्य है कि सरकार नियमों और सिद्धांतों के अनुसार संचालित होती है, जो सभी राजनीतिक संगठनों/व्यक्तियों के लिए बाध्यकारी होती है, और इसलिए इसे अलग या विभाजित करके सत्ता के अनियंत्रित तरीकों को रोकने में मदद करती है। अतः विकल्प (d) सही है।

Q23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत और मौलिक कर्तव्य न्यायालयों द्वारा लागू किये जाने योग्य हैं।
2. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत समाज के भीतर सामाजिक और आर्थिक समानता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं।
3. 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने संविधान में मौलिक कर्तव्यों की अवधारणा को शामिल किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

- भारत के संविधान की सबसे नवीन विशेषताओं में से एक मौलिक अधिकारों, राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों और मौलिक कर्तव्यों को क्रमशः भाग III, भाग IV और भाग IVA में शामिल करना है।
- कथन 1 गलत है: यद्यपि राज्य की नीतियों और मौलिक कर्तव्यों के निर्देशक सिद्धांत प्रकृति में गैर-न्यायसंगत हैं, मिनर्वा मिल्स मामले (1980) और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) में उच्चतम न्यायालय ने माना कि भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन के आधार पर स्थापित किया गया है।
- कथन 2 सही है: भारतीय संविधान में डीपीएसपी विभिन्न उद्देश्यों को शामिल करता है, जिसमें सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देना, असमानताओं को कम करना, लोगों का कल्याण सुनिश्चित करना और लोकतांत्रिक समाज के मूल्यों को बनाए रखना शामिल है। वे राज्य को गरीबी उन्मूलन, समान अवसर प्रदान करने और सभी नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के लिए उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- संविधान स्वयं डीपीएसपी को देश के शासन में मौलिक घोषित करता है, और कानून बनाने में इन सिद्धांतों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।
- कथन 3 सही है: स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों पर 1976 के 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया था। मौलिक कर्तव्य मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे लेकिन इस संशोधन के माध्यम से पेश किये गये थे। वे नागरिकों को एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करते हैं कि अधिकारों का आनंद लेने के साथ-साथ उन्हें अपने देश, समाज और साथी नागरिकों के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति भी सचेत रहने की आवश्यकता है।

Q24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: अनुच्छेद 365 राष्ट्रपति को राष्ट्रपति शासन लगाने का अधिकार देता है।

कथन II: अनुच्छेद 360 के माध्यम से वित्तीय आपातकाल लगाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-I कथन-II के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: b

व्याख्या:

राष्ट्रपति शासन:

1. संवैधानिक मशीनरी की विफलता के आधार पर आपातकाल (अनुच्छेद 356)।
2. कथन I सही है: संघ द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने में विफलता के आधार पर आपातकाल (अनुच्छेद 365)।
- कथन II सही है: वित्तीय आपातकाल: भारत की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए (अनुच्छेद 360)।
- आपातकाल के दौरान हमारी शासन संरचना संघीय से एकात्मक शासन प्रणाली बदल जाती है।

Q25. निम्नलिखित में से कौन सा कारक भारतीय संविधान को दुनिया में सबसे लंबा बनाता है?

- (a) भौगोलिक विशालता
- (b) 1935 के भारत सरकार अधिनियम का प्रभाव
- (c) संविधान की प्रस्तावना
- (d) a और b दोनों

उत्तर: d

व्याख्या:

- भारत का संविधान सबसे लंबा लिखित संविधान है।
- इसमें एक प्रस्तावना, 22 भागों में 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ और 5 परिशिष्ट शामिल हैं।
- यह मौलिक कानूनों का एक दस्तावेज है जो राजनीतिक व्यवस्था की प्रकृति और सरकार के अंगों की संरचना और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है।
- भारतीय संविधान के विशाल आकार में चार कारकों ने योगदान दिया है। वे हैं:
 1. भौगोलिक कारक अर्थात् देश की विशालता तथा उसकी विविधता।
 2. ऐतिहासिक कारक, जैसे 1935 के भारत सरकार अधिनियम का प्रभाव, जो बहुत व्यापक था।
 3. केंद्र और राज्य दोनों के लिए एक ही संविधान का होना।
 4. संविधान सभा में विधिवेत्ताओं का प्रभुत्व। इसलिए, विकल्प (d) सही है।

Q26. शक्ति पृथक्करण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह सिद्धांत रूसो द्वारा दिया गया था।
2. इसका उल्लेख राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अंतर्गत किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: मोंटेस्क्यू (फ्रांसीसी विद्वान) ने शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत दिया था।
- मोंटेस्क्यू के अनुसार, यदि शक्तियाँ केवल एक अंग या समूह के हाथों में दी जाती हैं। इसलिए, इससे अत्याचार हो सकता है।
- कथन 2 सही है: भारतीय संविधान अनुच्छेद 50 (DPSP) के तहत शक्ति के पृथक्करण की बात करता है।

Q27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 भारत को एक 'संघ' के रूप में वर्णित करता है।

कथन II:

ग्रानविले ऑस्टिन ने भारतीय संविधान को 'सहकारी संघवाद' के रूप में वर्णित किया है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन I गलत है: 'फेडरेशन' शब्द का प्रयोग संविधान में कहीं भी नहीं किया गया है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 1, भारत को 'राज्यों के संघ' के रूप में वर्णित करता है जिसका तात्पर्य दो चीजों से है: एक, भारतीय संघ राज्यों द्वारा किसी समझौते का परिणाम नहीं है; और दो, किसी भी राज्य को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है।
- कथन II सही है: भारतीय संविधान को 'रूप में संघीय लेकिन भावना में एकात्मक', केसी व्हेयर द्वारा 'अर्ध-संघीय', मॉरिस जोन्स द्वारा 'सौदेबाजी संघवाद', आइवर जेनिंग्स द्वारा 'केंद्रीकरण

प्रवृत्ति वाला महासंघ', ग्रेनविले ऑस्टिन द्वारा 'सहकारी संघवाद' इत्यादि के रूप में वर्णित किया गया है।

Q28. संविधान सभा की प्रमुख समितियों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

समिति	सदस्य
1. संचालन समिति	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
2. स्टेट्स कमेटी (राज्यों के साथ बातचीत के लिए समिति)	सरदार पटेल
3. संघ शक्तियाँ समिति	जवाहरलाल नेहरू
4. संघ संविधान समिति	राजेंद्र प्रसाद

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: b

व्याख्या:

संविधान सभा ने संविधान-निर्माण के विभिन्न कार्यों से निपटने के लिए कई समितियों की नियुक्ति की। इनमें से आठ प्रमुख समितियाँ थीं और अन्य छोटी समितियाँ थीं।

प्रमुख समितियाँ

- संघ शक्तियाँ समिति - जवाहरलाल नेहरू। इसलिए, युग्म 3 सही है।
- संघ संविधान समिति - जवाहरलाल नेहरू। इसलिए, युग्म 4 गलत है।
- प्रांतीय संविधान समिति - सरदार पटेल
- प्रारूप समिति - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
- स्टेट्स कमेटी (राज्यों के साथ बातचीत के लिए समिति) - जवाहरलाल नेहरू। इसलिए, युग्म 2 गलत है।
- संचालन समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद। इसलिए, युग्म 1 सही है।

Q29. संविधान सभा की छोटी समितियों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

समिति	सदस्य
1. वित्त एवं कर्मचारी समिति	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
2. हाउस कमेटी	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
3. राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति	बी. पट्टाभि सीतारमैया

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

संविधान सभा की छोटी समितियाँ

1. वित्त एवं कर्मचारी समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद। इसलिए, युग्म 1 सही है
2. क्रेडेंशियल्स कमेटी - अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
3. हाउस कमेटी - बी. पट्टाभि सीतारमैया। इसलिए, युग्म 2 गलत है
4. व्यवसाय समिति का आदेश - डॉ. के.एम. मुंशी
5. राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद। इसलिए, युग्म 3 गलत है

Q30. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. एस. वरदाचारी
2. नलिनी रंजन सरकार
3. एस.के. डार

उपर्युक्त में से कितने लोग लघु समिति के सदस्य थे, लेकिन संविधान सभा के सदस्य नहीं थे?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

संविधान सभा की छोटी समितियाँ

- उच्चतम न्यायालय पर तदर्थ समिति - एस. वरदाचारी (विधानसभा सदस्य नहीं)
- संघ संविधान के वित्तीय प्रावधानों पर विशेषज्ञ समिति - नलिनी रंजन सरकार (विधानसभा सदस्य नहीं)
- भाषाई प्रांत आयोग - एस.के. डार (विधानसभा सदस्य नहीं)
- नागरिकता पर तदर्थ समिति - एस वरदाचारी (विधानसभा सदस्य नहीं)

प्रश्न 31. मौलिक अधिकारों के अलावा, भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन सा भाग मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (1948) के सिद्धांतों और प्रावधानों को प्रतिबिंबित करता है/हैं?

1. प्रस्तावना
2. राज्य के नीति निदेशक तत्व
3. मौलिक कर्तव्य

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संविधान के उपरोक्त सभी भाग मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (1948) के सिद्धांतों और प्रावधानों को दर्शाते हैं:
 - प्रस्तावना: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में न्याय।
 - राज्य के नीति निदेशक तत्व : शिक्षा निःशुल्क होगी, कम से कम प्रारंभिक और प्राथमिक स्तर तक।
 - मौलिक कर्तव्य: अनुच्छेद 51-ए(के) के अनुसार, “माता-पिता या अभिभावक, अपने छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच के अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर जरूर प्रदान करेंगे।” अतः विकल्प (d) सही है।

प्रश्न 32. भारत के संविधान की प्रस्तावना है:

- (a) संविधान का हिस्सा है लेकिन इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है।
- (b) संविधान का हिस्सा नहीं है और इसका कोई कानूनी प्रभाव भी नहीं है।
- (c) संविधान का एक भाग है और इसका कानूनी प्रभाव किसी अन्य भाग के समान ही है।
- (d) संविधान का एक हिस्सा लेकिन अन्य हिस्सों से स्वतंत्र रूप से इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- प्रस्तावना का स्वतंत्र रूप से कोई कानूनी प्रभाव नहीं होता है क्योंकि इसे किसी न्यायालय द्वारा लागू नहीं किया जा सकता है। **अतः विकल्प (d) सही है**

Q33. विभिन्न स्रोतों से उधार ली गई संवैधानिक विशेषताओं के निम्नलिखित युग्म पर विचार कीजिए:

स्रोत	सुविधाएँ
1. जर्मनी का वाइमर संविधान	आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का निलंबन
2. फ्रांसीसी संविधान	प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श
3. दक्षिण अफ्रीकी संविधान	राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव
4. जापानी संविधान	कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: d

व्याख्या

स्रोत	सुविधाएँ
जर्मनी का वाइमर संविधान	आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का निलंबन। इसलिए, विकल्प (1) सही है।
सोवियत संविधान (यूएसएसआर, अब रूस)	प्रस्तावना में मौलिक कर्तव्य और न्याय का आदर्श (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक)।
फ्रांसीसी संविधान	प्रस्तावना में गणतंत्र और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श। इसलिए, विकल्प (2) सही है।
दक्षिण अफ्रीकी संविधान	संविधान में संशोधन और राज्य सभा के सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया। इसलिए, विकल्प (3) सही है।
जापानी संविधान	कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया। इसलिए, विकल्प (4) सही है।

Q34. "उद्देश्य प्रस्ताव" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे 13 दिसंबर, 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थानांतरित किया गया था।
2. प्रारूप समिति ने 'उद्देश्य प्रस्ताव' में प्रयुक्त अभिव्यक्ति 'संप्रभु स्वतंत्र गणराज्य' को अपनाया।
3. उद्देश्य प्रस्ताव में 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' शब्द मौजूद थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भारतीय संविधान की प्रस्तावना नेहरू के "उद्देश्य संकल्प" पर आधारित है। जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर 1946 को एक उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया और इसे 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।
- कथन 2 गलत है: मसौदा समिति ने "उद्देश्य प्रस्ताव" में प्रयुक्त 'संप्रभु स्वतंत्र गणराज्य' के स्थान पर 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' अभिव्यक्ति को अपनाया, क्योंकि उसका मानना था कि 'संप्रभु' शब्द में स्वतंत्रता निहित थी।
- कथन 3 गलत है: उद्देश्य संकल्प में स्पष्ट रूप से "स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" शब्दों का उल्लेख नहीं किया गया है। "स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" शब्द भारत के संविधान की प्रस्तावना में युग्म गए जब इसे अंततः 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया।

Q35. संविधान की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव अंततः प्रस्तावना बन गया।
2. यह गैर-न्यायसंगत है।
3. इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता।
4. प्रस्तावना संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को खत्म नहीं कर सकती।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तावित उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया था। यह प्रस्ताव बाद में प्रस्तावना की नींव बन गया।
- कथन 2 सही है: भारत के संविधान की प्रस्तावना गैर-न्यायसंगत है। इसका मतलब यह है कि प्रस्तावना के प्रावधानों को सीधे अदालत में लागू नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग माना जाता है और इसके प्रावधानों का उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या के लिए किया जा सकता है।
- कथन 3 गलत है: भारत के संविधान की प्रस्तावना को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित किया जा सकता है। हालाँकि, प्रस्तावना की मूल संरचना को बदला नहीं जा सकता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती (1973) के ऐतिहासिक मामले में कहा कि प्रस्तावना संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है। इसका मतलब यह है कि प्रस्तावना के मूल सिद्धांतों, जैसे संप्रभुता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और न्याय को संशोधन प्रक्रिया के माध्यम से नहीं बदला जा सकता है।
- कथन 4 सही है: भारत के संविधान की प्रस्तावना संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को खत्म नहीं कर सकती है। इसका मतलब यह है कि यदि प्रस्तावना और संविधान के किसी विशिष्ट प्रावधान के बीच कोई विरोधाभास है, इसलिए बाद वाला ही मान्य होगा।

Q36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लोकतांत्रिक समाजवाद में, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र साथ-साथ रहते हैं।
2. भारतीय समाजवाद अधिक गांधीवादी समाजवाद के साथ मार्क्सवाद और गांधीवाद का मिश्रण है।
3. 1991 की नई आर्थिक नीति ने 'लोकतांत्रिक समाजवाद' को मजबूत किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: समाजवाद का भारतीय ब्रांड एक 'लोकतांत्रिक समाजवाद' है, न कि 'साम्यवादी समाजवाद' (जिसे 'राज्य समाजवाद' भी कहा जाता है) जिसमें उत्पादन और वितरण के सभी साधनों का राष्ट्रीयकरण और निजी संपत्ति का उन्मूलन शामिल है। लोकतांत्रिक समाजवाद 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' में विश्वास रखता है।
- जैसा कि उच्चतम न्यायालयका कहना है, 'लोकतांत्रिक समाजवाद का लक्ष्य गरीबी, अज्ञानता, बीमारी और अवसर की असमानता को समाप्त करना है।

- कथन 2 सही है: भारतीय समाजवाद मार्क्सवाद और गांधीवाद का मिश्रण है, जिसका झुकाव गांधीवादी समाजवाद की ओर है। इसका मतलब यह है कि भारतीय समाजवाद में मार्क्सवादी और गांधीवादी दोनों विचारों के तत्व शामिल हैं, लेकिन यह गांधीवादी समाजवाद के साथ अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है।
- कथन 3 गलत है: 1991 की नई आर्थिक नीति (एनईपी) ने भारतीय राज्य की समाजवादी साख को कमजोर कर दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एनईपी सुधारों में राज्य के नेतृत्व वाले विकास से बाजार के नेतृत्व वाले विकास में बदलाव शामिल था। इस बदलाव के कारण अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका में कमी आई है और निजी क्षेत्र की भूमिका में वृद्धि हुई है।

Q37. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों पर विचार कीजिए जो धर्मनिरपेक्षता के घटकों को शामिल करते हैं:

1. अनुच्छेद 14
2. अनुच्छेद 18
3. अनुच्छेद 26
4. अनुच्छेद 44

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनें:

- (a) 1, 3 और 4
- (b) 2 और 3
- (c) 2, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- विकल्प 1 सही है: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 धर्मनिरपेक्षता के घटकों को शामिल करता है। अनुच्छेद 14 भारत के क्षेत्र के भीतर सभी व्यक्तियों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। इसका मतलब यह है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ उसके धर्म, जाति, लिंग या किसी अन्य व्यक्तिगत विशेषता के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता है।
- विकल्प 2 गलत है: धर्म, जाति आदि जैसे किसी भी आधार पर भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 द्वारा निषिद्ध है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 में स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्षता का उल्लेख नहीं है।
- विकल्प 3 सही है: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 से 28 तक धर्मनिरपेक्षता के घटक शामिल हैं। ये अनुच्छेद धर्म की स्वतंत्रता, धार्मिक मामलों के प्रबंधन का अधिकार, किसी विशेष धर्म के प्रचार के लिए करों का भुगतान करने की स्वतंत्रता और कुछ शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा से स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं।

- विकल्प 4 सही है: संविधान के अनुच्छेद 44 ने सभी नागरिकों को समान मानते हुए समान नागरिक कानून बनाने के राज्य के मौलिक कर्तव्य को छोड़ दिया।

Q38. केशवानंद भारती मामले में भारत के संवैधानिक इतिहास में एक ऐतिहासिक फैसला है। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रस्तावना का उपयोग संविधान को समझने और व्याख्या करने के लिए एक सार्थक तंत्र के रूप में किया जाना चाहिए।
2. प्रस्तावना न्यायसंगत है और इसके प्रावधान कानून की अदालतों में लागू करने योग्य हैं।
3. प्रस्तावना में "मूल तत्व" को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है।

इसकी व्याख्या से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: प्रस्तावना संविधान के मूल दर्शन और संरचना को समझने की कुंजी है। यह उन मूलभूत सिद्धांतों को निर्धारित करता है जिन पर संविधान आधारित है, जैसे संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और न्याय। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि प्रस्तावना संविधान का एक अभिन्न अंग है और इसका उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है।
- कथन 2 गलत है: प्रस्तावना न्यायसंगत नहीं है, जिसका अर्थ है कि इसके प्रावधानों को सीधे अदालत में लागू नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि प्रस्तावना संवैधानिक कानून का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और इसका उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती मामले में माना कि संविधान की मूल संरचना को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है। प्रस्तावना को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना जाता है। इसलिए, प्रस्तावना में "मूल तत्वों" को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है।

Q39. प्रस्तावना में संशोधन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने अब तक केवल एक बार प्रस्तावना में संशोधन किया है।

कथन II:

तीन नए शब्द; प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता को जोड़ा गया था।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-III कथन-I के लिए सही व्याख्या है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-III कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: प्रस्तावना को अब तक केवल एक बार, 1976 में, 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया है। 42वां संशोधन अधिनियम आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। हालाँकि, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मिन्वा मिल्स (1980) के मामले में 42वें संशोधन अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा।
- कथन 2 सही है: 42वें संशोधन अधिनियम ने प्रस्तावना में तीन नए शब्द युग्म: समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता। ये शब्द भारतीय संविधान की सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

Q40. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

सूची-I (राज्य)	सूची-II (गठन का वर्ष)
1. नागालैंड	1963
2. झारखण्ड	2000
3. तेलंगाना	2014
4. सिक्किम	1965

उपर्युक्त में से कितने युग्म गलत हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: a

व्याख्या:

सूची-I	सूची-II
(राज्य)	(अस्तित्व में आने का वर्ष)
नागालैंड	1963
झारखण्ड	15 नवम्बर 2000

तेलंगाना	2 जून 2014
सिक्किम	1975

Q41. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
2. पुडुचेरी
3. चंडीगढ़
4. लद्दाख

भारत के उपर्युक्त केंद्र शासित प्रदेशों में से कौन सा विधानमंडल के बिना है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1 और 3
- (c) 1, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

व्याख्या:

वर्तमान स्थिति के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेशों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- विधायिका के बिना केंद्र शासित प्रदेश - जिसमें अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, चंडीगढ़ और लद्दाख शामिल हैं। इसलिए, विकल्प (c) सही है।
- केंद्र शासित प्रदेश जिनके लिए अनुच्छेद 239A के तहत संसद द्वारा विधानसभाएं बनाई जा सकती हैं - इस श्रेणी में पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।
- केंद्र शासित प्रदेश जहां संविधान के अनुसार विधानसभाएं हैं (अनुच्छेद 239AA और 239AB) - इस श्रेणी में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली शामिल है।

Q42. भारत के संविधान के भाग IV में निहित प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. ये न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय हैं।
2. ये किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं।
3. इस भाग में निर्धारित तत्व राज्य द्वारा कानूनों के निर्माण को प्रभावित करते हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारत के संविधान का भाग IV (अनुच्छेद 36-51) राज्य के नीति निदेशक तत्वों से संबंधित है, जो किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं।
- संविधान राज्य के नीति निदेशक तत्वों को निर्धारित करता है, जो न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं, फिर भी ये 'देश के शासन में मौलिक' हैं, और कानून निर्माण के समय इन तत्वों का पालन करना राज्य का कर्तव्य है, इसलिए वे कानून बनाने को प्रभावित करते हैं। राज्य। अतः विकल्प (d) सही है।

Q 43. किस प्रधानमंत्री के शासन काल में भारत के संविधान में नौवीं अनुसूची जोड़ी गई थी?

(a) जवाहरलाल नेहरू

(b) लाल बहादुर शास्त्री

(c) इंदिरा गाँधी

(d) मोरारजी देसाई

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जवाहरलाल नेहरू 1947 से 1963 तक भारत के प्रधानमंत्री थे। वह भारत के पहले और सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री थे। नौवीं अनुसूची 10 मई 1951 को नेहरू सरकार द्वारा पेश की गई थी। अतः विकल्प (a) सही है।

Q44. भारत के संविधान की किस अनुसूची के तहत खनन के लिए निजी पक्षों को आदिवासी भूमि के हस्तांतरण को शून्य घोषित किया जा सकता है?

(a) तीसरी अनुसूची

- (b) पांचवीं अनुसूची
- (c) नौवीं अनुसूची
- (d) बारहवीं अनुसूची

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- समता बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य (1997) फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि खनन के लिए निजी पक्षों को आदिवासी भूमि का हस्तांतरण पांचवीं अनुसूची के तहत अमान्य था। अतः विकल्प (b) सही है।

Q45 भारत के संविधान का कौन सा अनुच्छेद किसी को अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने के अधिकार की रक्षा करता है?

- (a) अनुच्छेद 19
- (b) अनुच्छेद 21
- (c) अनुच्छेद 25
- (d) अनुच्छेद 29

उत्तर: (b)

व्याख्या:

अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का अभिन्न अंग है", सुप्रीम कोर्ट ने केरल उच्च न्यायालय के 2017 के आदेश को रद्द कर दिया, जिसने केरल की मुस्लिम परिवर्तित लड़की हादिया और शेफिन के विवाह को निरस्त कर दिया था। अतः विकल्प (b) सही है।

Q46. निम्नलिखित में से कौन-सी भारतीय संविधान की संघीय विशेषताएँ नहीं हैं?

1. वास्तविक महासंघ
2. कठोर संविधान

3. आपातकालीन प्रावधान

4. एकीकृत न्यायपालिका

5. अखिल भारतीय सेवाएँ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2, 3 और 5

(b) केवल 1, 3, 4 और 5

(c) केवल 2 और 4

(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर- (b)

व्याख्या

- एक वास्तविक संघ में, गठित इकाइयों या राज्यों को संघ से बाहर आने की स्वतंत्रता होती है। भारत एक वास्तविक संघ नहीं है। राज्यों के पास संघ से बाहर निकलने की कोई शक्ति नहीं है। भारत एक संघीय सरकार की विशेषताओं और एकात्मक सरकार की विशेषताओं को जोड़ता है।
- कठोर संविधान में संशोधन की प्रक्रिया जटिल होती है। भारतीय संविधान काफी हद तक कठोर है। संघीय-राज्य संबंधों से संबंधित संविधान के सभी प्रावधानों को केवल राज्य विधानसभाओं और संघ संसद की संयुक्त कार्यवाहियों द्वारा संशोधित किया जा सकता है। कठोर संविधान भारतीय संविधान की संघीय विशेषता का एक भाग है।
- भारतीय संविधान में आपातकालीन प्रावधान केंद्र सरकार को देश में किसी भी असामान्य स्थिति से निपटने में मदद करते हैं। ये प्रावधान संघीय प्रकृति को एकात्मक प्रकृति में बदल देते हैं।
- भारत की एकीकृत न्यायिक प्रणाली संविधान की एकात्मक विशेषता है। किसी संघ में न्यायालयों की दोहरी व्यवस्था होती है।
- भारत में, अखिल भारतीय सेवाएँ हैं जो केंद्र और राज्यों दोनों के लिए सामान्य हैं। ये सेवाएँ संविधान के तहत संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करती हैं। एक महासंघ में, राज्यों और संघ की अपनी अलग-अलग सेवाएँ होती हैं। इसलिए, विकल्प (b) सही है

Q47. भारत का संविधान उनके बीच गतिरोध को हल करने के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की व्यवस्था प्रदान करता है। निम्नलिखित में से किस मामले में यह सुविधा उपलब्ध है?

1. साधारण विधेयक
2. संविधान संशोधन विधेयक
3. धन विधेयक
4. वित्त विधेयक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 4
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (a)

व्याख्या

- अनुच्छेद 108 के अनुसार, संसद की संयुक्त बैठक भारत के राष्ट्रपति द्वारा আহूत की जाती है और इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है।
- संवैधानिक संशोधन विधेयकों और धन विधेयकों के मामले में गतिरोध को हल करने के लिए संयुक्त बैठक की प्रावधान नहीं है। यह केवल साधारण विधेयकों के सम्बन्ध में ही प्रावधान है।
- वित्त विधेयक में संयुक्त बैठक होती है।
- "वित्त विधेयक" को एक ऐसे विधेयक के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसे सामान्य रूप से आगामी वित्तीय वर्ष के लिए भारत सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष पेश किया जाता है। वित्त विधेयक भारत के संविधान के अनुच्छेद 117 (1) और (3) के अंतर्गत आता है। इसलिए, विकल्प (a) सही है।

Q48. भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में निम्नलिखित में से किसके लिए शपथ और प्रतिज्ञान के रूप शामिल हैं?

1. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
2. राज्यों के महाधिवक्ता

3. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

4. राज्य मंत्री

5. भारत के राष्ट्रपति

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 3 और 4

(b) केवल 1, 3, 4 और 5

(c) केवल 3 और 5

(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर- (a)

व्याख्या

भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में शपथ और प्रतिज्ञान के प्रकार शामिल हैं:

- भारत के केंद्रीय मंत्री
- संसद चुनाव के उम्मीदवार
- संसद सदस्य (सांसद)
- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- राज्य मंत्री
- राज्य विधानमंडल चुनाव के उम्मीदवार
- राज्य विधानमंडल के सदस्य
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
- राज्यों के महान्यायाधीश और राज्यों के महाधिवक्ता को सूची में शामिल नहीं किया गया है।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 60 राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान निर्धारित करता है। यह तीसरी अनुसूची में शामिल नहीं है। इसलिए, विकल्प (a) सही उत्तर है।

Q49. संवैधानिक संशोधन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संवैधानिक संशोधन विधेयक किसी निजी सदस्य या मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है।

2. संविधान का भाग XX संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है।
3. राष्ट्रपति संविधान संशोधन विधेयक को रोक नहीं सकते लेकिन विधेयक को संसद को पुनर्विचार के लिए वापस कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (a)

व्याख्या

कथन 1 सही है: संवैधानिक संशोधन के लिए विधेयक किसी निजी सदस्य या मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है। विधेयक केवल संसद में पेश किया जा सकता है, राज्य विधानमंडल में नहीं। विधेयक को राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

कथन 2 सही है: संविधान के भाग XX में, अनुच्छेद 368 संविधान और इसकी प्रक्रिया में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है।

कथन 3 गलत है: राष्ट्रपति न तो संवैधानिक संशोधन विधेयक को रोक सकता है और न ही उसे संसद में पुनर्विचार के लिए भेज सकता है।

Q50. निम्नलिखित में से किस प्रावधान को केवल संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है?

1. नये राज्यों का निर्माण या किसी राज्य की सीमा में परिवर्तन
2. निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन
3. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
4. सातवीं अनुसूची की कोई भी सूची

5. संविधान की छठी अनुसूची

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर- (b)

व्याख्या

निम्नलिखित प्रावधानों में केवल विशेष बहुमत के माध्यम से ही संशोधन किया जा सकता है:

- राष्ट्रपति का चुनाव और उसकी रीति
- संघ और राज्यों की कार्यकारी शक्ति का विस्तार।
- उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय।
- संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
- सातवीं अनुसूची की कोई भी सूची

अन्य प्रावधान जैसे नए राज्यों का गठन या किसी राज्य की सीमा में परिवर्तन, निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन और संविधान की छठी अनुसूची में संशोधन साधारण बहुमत के माध्यम से किया जा सकता है। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**

Q51. 'जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने पूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया।
2. केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चंडीगढ़ की तरह विधानसभा होगी।
3. केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से लोकसभा की पांच सीटें होंगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: जम्मू और कश्मीर राज्य का अस्तित्व 31 अक्टूबर 2019 को समाप्त हो गया, और संसद द्वारा अनुच्छेद 370 के तहत इसकी विशेष स्थिति को रद्द करने के 86 दिन बाद, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदल दिया गया।
- कथन 2 गलत है: केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में पुडुचेरी की तरह एक विधानमंडल होगा जबकि लद्दाख चंडीगढ़ की तरह बिना विधानमंडल वाला एक केंद्रशासित प्रदेश होगा।
- जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत दोनों केंद्रशासित प्रदेशों का नेतृत्व उपराज्यपाल (एलजी) करेंगे।
- कथन 3 सही है: केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में कारगिल और लेह जिले होंगे। इसमें यह भी कहा गया कि लोकसभा में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से पांच सीटें होंगी, जबकि लद्दाख से एक सीट होगी।

Q52. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. भाषाई एवं सांस्कृतिक एकरूपता
2. वित्तीय, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवहार्यता
3. देश की सुरक्षा और एकता को बनाए रखना और बढ़ाना

फ़ज़ल अली समिति (1953) के अनुसार, उपर्युक्त में से कौन-से पुनर्गठन के आधार के मुख्य सिद्धांत थे?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 2
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

व्याख्या:

फ़ज़ल अली समिति ने सितंबर 1955 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और मोटे तौर पर राज्यों के पुनर्गठन के आधार के रूप में भाषा को स्वीकार किया। इसने एक भाषा एक राज्य के सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया।

इसने चार प्रमुख कारकों की पहचान की जिन्हें राज्यों के पुनर्गठन की किसी भी योजना में ध्यान में रखा जा सकता है:

- देश की सुरक्षा और एकता को बनाए रखना और बढ़ाना;
- वित्तीय, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवहार्यता;
- भाषाई और सांस्कृतिक एकरूपता; और
- विकास योजना के सफल कार्यान्वयन की गुंजाइश। इसलिए, विकल्प (d) सही है।

Q53. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

भारतीय संघ के राज्यों का वर्गीकरण	जिन राज्यों से इन्हें शामिल किया गया था
1. भाग A	ब्रिटिश भारत के पूर्व गवर्नरों के प्रांत
2. भाग B	विधानमंडल वाली पूर्व रियासतें
3. भाग C	पूर्व मुख्य आयुक्तों के प्रांत
4. भाग D	दादरा और नगर हवेली

उपर्युक्त में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2 और 4
- (c) 2, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- 1950 में, संविधान में भारतीय संघ के राज्यों का चार गुना वर्गीकरण शामिल था - भाग A, भाग B, भाग C और भाग D राज्य। कुल मिलाकर उनकी संख्या 29 थी।
- विकल्प a सही है: भाग-A राज्यों में ब्रिटिश भारत के नौ तत्कालीन गवर्नर प्रांत शामिल थे।
- विकल्प b सही है: भाग-B राज्यों में विधानसभाओं के साथ नौ पूर्ववर्ती रियासतें शामिल थीं।
- विकल्प c सही है: भाग-C राज्यों में ब्रिटिश भारत के तत्कालीन मुख्य आयुक्त के प्रांत और कुछ तत्कालीन रियासतें शामिल थीं। ये भाग-C राज्य (संख्या में कुल 10) केंद्र प्रशासित थे।
- विकल्प d गलत है: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को एकांत भाग-D राज्य के रूप में रखा गया।

Q54. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 3 से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 3 में संशोधन का प्रस्ताव करने वाला विधेयक केवल राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से ही संसद में पेश किया जा सकता है।
2. राष्ट्रपति विधेयक को राज्य विधानमंडल के विचार जानने के लिए भेजने के लिए बाध्य है।
3. यदि ऐसा कोई विधेयक किसी राज्य की सीमा या नाम को प्रभावित करता है इसलिए संसद राज्य विधानमंडल के विचारों से बंधी होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

अनुच्छेद 3 के तहत निर्धारित शर्तें:

- कथन 1 सही है: संसद का कोई भी सदन, राष्ट्रपति की सिफारिश पर, ऊपर निर्धारित किसी या सभी संशोधनों को प्रभावी करने वाला विधेयक पेश कर सकता है।
- कथन 2 सही है: यदि ऐसा कोई विधेयक किसी राज्य की सीमा या नाम को प्रभावित करता है, इसलिए राष्ट्रपति उस विधेयक को संसद के समक्ष उसकी राय के लिए रखने से पहले संबंधित राज्य विधानमंडल को भेज देगा।
- कथन 3 गलत है: यदि राज्य विधानमंडल उस समय सीमा के भीतर कोई राय व्यक्त करने में विफल रहता है, इसलिए यह माना जाएगा कि उसने अपनी राय व्यक्त कर दी है। संसद राज्य विधानमंडल के विचारों को स्वीकार करने या उन पर कार्य करने के लिए बाध्य नहीं है, भले ही राज्य ने एक निश्चित अवधि के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर दिए हों।

Q55. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'भारत संघ', 'भारत क्षेत्र' की तुलना में एक व्यापक अभिव्यक्ति है।
2. 'भारतीय क्षेत्र' शब्द में राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और अन्य क्षेत्र शामिल हैं जिनका भारत भविष्य में अधिग्रहण कर सकता है।
3. राज्यों और क्षेत्रों को संविधान की दूसरी अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही हैं/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: 'भारत का क्षेत्र' 'भारत संघ' की तुलना में एक व्यापक अभिव्यक्ति है क्योंकि बाद वाले में केवल राज्य शामिल हैं जबकि पहले में न केवल राज्य बल्कि केंद्र शासित प्रदेश और वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनका भविष्य में किसी भी समय भारत सरकार द्वारा अधिग्रहण किया जा सकता है।

- कथन 2 सही है: राज्य संघीय प्रणाली के सदस्य हैं और केंद्र के साथ शक्तियों का वितरण साझा करते हैं। दूसरी ओर, केंद्र सरकार सीधे केंद्र शासित प्रदेशों और अधिग्रहीत क्षेत्रों का प्रशासन करती है। भारतीय क्षेत्र शब्द में न केवल राज्य बल्कि केंद्र शासित प्रदेश और अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं जिन्हें भारत अधिग्रहण कर सकता है।
- कथन 3 गलत है: संविधान की पहली अनुसूची में, राज्यों और क्षेत्रों को निर्दिष्ट किया गया है।

Q56. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान समवर्ती सूची में नागरिकता को विनियमित करने की शक्ति की रूपरेखा देता है।
2. नागरिक शब्द की परिभाषा संविधान के अनुच्छेद 5 में दी गई है।
3. नागरिकता के प्रावधान 26 नवंबर 1949 को लागू किये गये थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: नागरिकता संविधान के तहत संघ सूची में सूचीबद्ध है और इस प्रकार संसद के विशेष क्षेत्राधिकार के अंतर्गत है।
- कथन 2 गलत है: संविधान 'नागरिक' शब्द को परिभाषित नहीं करता है, लेकिन नागरिकता के हकदार व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों का विवरण संविधान के भाग 2 (अनुच्छेद 5 से 11) में दिया गया है।
- कथन 3 सही है: संविधान के अन्य प्रावधानों के विपरीत, जो 26 जनवरी, 1950 को अस्तित्व में आया, इन अनुच्छेदों को 26 नवंबर, 1949 को ही लागू किया गया था, जब संविधान को अपनाया गया था।

Q57. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (अनुच्छेद)	सूची-II (प्रावधान)
A. अनुच्छेद 5	1. भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों की नागरिकता
B. अनुच्छेद 6	2. पाकिस्तान से आए प्रवासियों की नागरिकता
C. अनुच्छेद 7	3. पाकिस्तान से भारत आने वाले प्रवासियों की नागरिकता
D. अनुच्छेद 8	4. अधिवास द्वारा नागरिकता

कोड:

	A	B	C	D
a.	4	3	2	1
b.	1	2	3	4
c.	2	1	3	4
d.	4	2	3	1

उत्तर: a

व्याख्या:

- अधिवास द्वारा नागरिकता (अनुच्छेद 5): एक व्यक्ति जो भारत में पैदा हुआ था या उस व्यक्ति के माता-पिता में से कोई एक भारत में पैदा हुआ था या वह व्यक्ति प्रारंभ से ठीक पहले पांच साल से कम समय के लिए भारत के क्षेत्र में सामान्य रूप से निवासी रहा होगा। संविधान में, किसी व्यक्ति का अधिवास उस देश में है जहां उस व्यक्ति के पास या तो उसका स्थायी घर है या कानून द्वारा माना जाता है।
- पाकिस्तान से भारत आने वाले प्रवासियों की नागरिकता (अनुच्छेद 6): भारत का नागरिक 19 जुलाई 1948 से पहले प्रवास करने वाले व्यक्तियों के मामले में, यदि वह व्यक्ति अपने प्रवास की तारीख से सामान्य रूप से भारत में रह रहा है, और किसी व्यक्ति के प्रवास के मामले में या 19 जुलाई, 1948 के बाद, यदि उसे भारत सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी द्वारा पंजीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख से ठीक पहले कम से कम छह महीने तक रहने के बाद, भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत किया गया है, तो उसे भारत का नागरिक माना जाएगा।
- पाकिस्तान के प्रवासियों की नागरिकता (अनुच्छेद 7): यदि भारत का कोई नागरिक 1 मार्च 1947 के बाद पाकिस्तान चला गया है, लेकिन भारत में पुनर्वास के परमिट के आधार पर भारत लौट आया है, तो वह व्यक्ति भारत का नागरिक बनने का हकदार है। यदि वह भारत सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी द्वारा पंजीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख से ठीक पहले कम से कम छह महीने तक रहने के बाद खुद को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करता है।
- भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों की नागरिकता (अनुच्छेद 8): विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी, यदि वे उस देश में भारत के राजनयिक या कांसुलर प्रतिनिधियों द्वारा पंजीकृत हैं जहां वे रह रहे हैं।

Q58. “नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2016” से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करना चाहता है।
2. इस विधेयक के तहत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के धार्मिक रूप से प्रताड़ित अल्पसंख्यक समूहों के व्यक्ति नागरिकता के लिए पात्र हैं।
3. यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो

- (c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करने के लिए नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2016 को 19 जुलाई 2016 को लोकसभा में पेश किया गया था।
- कथन 2 सही है: विधेयक नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करता है ताकि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाया जा सके।
- अधिनियम के तहत, देशीकरण द्वारा नागरिकता के लिए आवश्यकताओं में से एक यह है कि आवेदक को पिछले 12 महीनों के दौरान और पिछले 14 वर्षों में से 11 महीनों के दौरान भारत में रहना चाहिए। विधेयक समान छह धर्मों और तीन देशों से संबंधित व्यक्तियों के लिए इस 11 वर्ष की आवश्यकता को छह वर्ष तक कम कर देता है। इसका उद्देश्य समान छह धर्मों और तीन देशों से संबंधित अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाना है।
- कथन 3 सही है: विधेयक अवैध प्रवासियों को धर्म के आधार पर नागरिकता के लिए पात्र बनाता है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन हो सकता है जो समानता के अधिकार की गारंटी देता है।

Q59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ऐसे व्यक्ति जिन्होंने विज्ञान, दर्शन, कला, साहित्य, विश्व शांति या मानव प्रगति के लिए विशिष्ट सेवा प्रदान की है।
2. संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी 22 भाषाओं का ज्ञान प्रदर्शित करने वाला व्यक्ति।
3. व्यक्ति अपने भारतीय नागरिकता आवेदन के अनुमोदन पर किसी अन्य देश की नागरिकता छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपर्युक्त में से किसे नागरिकता अधिनियम (1955) के तहत प्राकृतिकीकरण द्वारा भारत का नागरिक माना जाएगा?

- (a) 1 और 3
(b) 2 और 3
(c) 1 और 2
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

KHAN SIR

- केंद्र सरकार, एक आवेदन पर, किसी भी व्यक्ति (अवैध प्रवासी नहीं) को प्राकृतिकीकरण का प्रमाण पत्र दे सकती है, यदि उसके पास निम्नलिखित योग्यताएं हों:
 - (a) कि वह किसी भी देश का नागरिक या नागरिक नहीं है जहां भारत के नागरिकों को देशीयकरण द्वारा उस देश का विषय या नागरिक बनने से रोका जाता है;
 - (b) कि, यदि वह किसी भी देश का नागरिक है, तो भारतीय नागरिकता के लिए उसका आवेदन स्वीकार किए जाने की स्थिति में वह उस देश की नागरिकता छोड़ने का वचन देता है; इसलिए, विकल्प (3) सही है।
 - (c) कि वह अच्छे चरित्र का है;
 - (d) कि उसे संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट भाषा का पर्याप्त ज्ञान है। इसलिए, विकल्प (2) गलत है।
 - (e) भारत में किसी सरकार के अधीन या किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन के अधीन, जिसका भारत सदस्य है या भारत में स्थापित किसी समाज, कंपनी या व्यक्तियों के निकाय के अधीन सेवा में प्रवेश करना या जारी रखना।
- भारत सरकार ऐसे व्यक्ति के मामले में, जिसने विज्ञान, दर्शन, कला, साहित्य, विश्व शांति या मानव प्रगति के लिए विशिष्ट सेवा प्रदान की है, देशीयकरण के लिए उपर्युक्त सभी या किसी भी शर्त को माफ कर सकती है। इसलिए, विकल्प (1) सही है।
- प्रत्येक प्राकृतिक नागरिक को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेनी चाहिए।

Q60. 'नागरिकता के त्याग' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

भारत के युद्ध में शामिल होने की स्थिति में, नागरिकता त्याग का पंजीकरण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा जब तक कि केंद्र सरकार नए निर्देश जारी नहीं करती।

कथन II:

नागरिकता छोड़ने वाले व्यक्ति के नाबालिग बच्चे की नागरिकता अप्रभावित रहती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: पूर्ण आयु और क्षमता का एक भारतीय नागरिक इस आशय की घोषणा करके और इसे पंजीकृत करवाकर अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ सकता है। लेकिन अगर ऐसी घोषणा

किसी युद्ध के दौरान की जाती है जिसमें भारत शामिल है, इसलिए पंजीकरण तब तक रोक दिया जाएगा जब तक कि केंद्र सरकार अन्यथा निर्देश न दे।

- कथन 2 गलत है: जब कोई पुरुष अपनी नागरिकता छोड़ देता है, तो उसका प्रत्येक नाबालिग बच्चा भारतीय नागरिक नहीं रह जाता है। हालाँकि, ऐसा बच्चा भारतीय नागरिकता फिर से शुरू कर सकता है यदि वह अपनी पूर्ण आयु, यानी 18 वर्ष प्राप्त करने के एक वर्ष के भीतर इस आशय की घोषणा करता है।

Q61. अनिवासी भारतीय (एनआरआई) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

वे ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास भारतीय और विदेशी नागरिकता एक साथ है।

कथन II:

उन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त है और उन्हें अपनी भारतीय आय पर आयकर रिटर्न का भुगतान और दाखिल करना आवश्यक है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन I गलत है: एक एनआरआई एक भारतीय नागरिक है जो अनिश्चित काल के लिए भारत से बाहर रहता है। वे अपनी भारतीय नागरिकता बरकरार रखते हैं लेकिन जरूरी नहीं कि वे विदेशी नागरिकता हासिल कर लें। एनआरआई होने के लिए दोहरी नागरिकता रखना आवश्यक नहीं है।
- कथन II सही है: एनआरआई को भारतीय चुनावों में वोट देने का अधिकार है, बशर्ते वे मतदाता के रूप में पंजीकृत हों। वे अपनी भारतीय आय पर आयकर का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी हैं, यदि यह कर योग्य सीमा से अधिक है।
- हालाँकि, यदि कोई एनआरआई विदेशी नागरिकता लेना चाहता है, तो उसे भारतीय नागरिकता छोड़नी होगी क्योंकि भारतीय संविधान दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं देता है।

Q62. भारत के स्वतंत्रता-पूर्व युग के दौरान की ऐतिहासिक घटनाओं की पहचान करें जहाँ भारतीय नेता मौलिक अधिकारों के संबंध में बातचीत में लगे हुए थे:

1. नेहरू रिपोर्ट (1928)
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929)

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन (1931)

4. उद्देश्य प्रस्ताव (1946)

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1, 3 और 4
- (c) 1, 2 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

- 1918 में बॉम्बे में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सुझाव दिया कि भारत सरकार अधिनियम में एक घोषणा शामिल की जाए जिसमें ब्रिटिश नागरिक के रूप में लोगों के अधिकार शामिल हों।
- विकल्प 1 सही है: नेहरू समिति (28 अगस्त 1928) ने भी मौलिक अधिकारों की गारंटी पर जोर दिया था ताकि इसे किसी भी परिस्थिति में वापस न लिया जा सके, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था।
- विकल्प 3 सही है: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने कराची सत्र में फिर से मौलिक अधिकारों की लिखित गारंटी का मामला उठाया जिसे ब्रिटिश संसद की संयुक्त चयन समिति ने फिर से अस्वीकार कर दिया।
- विकल्प 4 सही है: अंततः, संविधान सभा ने 22 जनवरी, 1947 को उद्देश्य संकल्प को अपनाया और लोगों के मौलिक अधिकारों की गारंटी और सुरक्षा करने का वचन दिया।
- विकल्प 2 गलत है: 1929 के लाहौर अधिवेशन ने स्वतंत्रता के लिए भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सत्र के दौरान पूर्ण स्वराज को भारत का लक्ष्य घोषित किया गया।

Q63. निम्नलिखित में से कौन सा भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के दायरे में एक 'राज्य' नहीं है?

- (a) राज्य विद्युत बोर्ड
- (b) सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत सोसायटी
- (c) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)
- (d) औद्योगिक वित्त निगम

उत्तर: c

व्याख्या:

- विकल्प a सही है: राजस्थान राज्य बिजली बोर्ड बनाम मोहनलाल मामले में, उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि एक प्रतिमा द्वारा स्थापित राज्य बिजली बोर्ड, जिसके पास कुछ वाणिज्यिक कार्य हैं, अनुच्छेद 12 के तहत एक प्राधिकरण होगा, जिस पर अदालत ने जोर दिया यह महत्वपूर्ण नहीं है कि संबंधित प्राधिकारी को प्रदत्त कुछ शक्तियाँ व्यावसायिक प्रकृति की हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि अनुच्छेद 298 के तहत सरकार को व्यापार या वाणिज्य करने का अधिकार है।

- विकल्प b सही है: सुखदेव सिंह बनाम भगताराम में, उच्चतम न्यायालय ने बिजली बोर्ड राजस्थान मामले में निर्धारित परीक्षण के बाद 4:1 बहुमत से माना कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, जीवन बीमा निगम और औद्योगिक वित्त निगम प्राधिकरण हैं संविधान के अनुच्छेद 12 का अर्थ है और इसलिए सभी तीन वैधानिक निगमों को स्थिति को विनियमित करने के लिए प्रतिमा के तहत विनियमन बनाने की शक्ति है।
- विकल्प d सही है: अजय हसिया बनाम खालिद मुजीब में, यह माना गया है कि सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1898 के तहत पंजीकृत एक समाज राज्य की एक एजेंसी या साधन है और इसलिए अनुच्छेद 12 के दायरे में एक राज्य है। इसकी संरचना सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- विकल्प c गलत है: उच्चतम न्यायालय ने बहुमत के फैसले से यह माना कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक "राज्य" या 'प्राधिकरण' नहीं है। यह सिर्फ इसलिए माना गया क्योंकि यह एक गैर-सरकारी निकाय है कुछ सार्वजनिक कर्तव्य जो अनुच्छेद 12 के प्रयोजन के लिए ऐसे निकाय को राज्य बनाने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।

Q64. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. कोई पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं
2. सार और तत्व का सिद्धांत
3. पृथक्करणीयता का नियम
4. आच्छादन का सिद्धांत

भारत के संविधान के अनुच्छेद 13 का खंड 1 उपर्युक्त में से किस सिद्धांत की व्याख्या करता है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: c

व्याख्या:

- अनुच्छेद 13 दोनों के बीच असंगतता की स्थिति में किसी भी अन्य कानून पर मौलिक अधिकारों की सर्वोच्चता के सिद्धांत को स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है। अनुच्छेद 13 का खंड 1 व्याख्या के विभिन्न सिद्धांतों को जन्म देता है जो इस प्रकार हैं:
- कोई पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं: मौलिक अधिकारों से संबंधित संविधान के प्रावधानों का कोई पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं है। पूर्वव्यापी शब्द का अर्थ है पिछली तिथि से प्रभावी होने का इरादा। मौजूदा

सभी कानून जो असंगत हैं, वे संविधान के लागू होने के बाद शून्य हो जायेंगे। इसलिए, विकल्प (1) सही है।

- पृथक्करणीयता का नियम: अनुच्छेद 13 किसी संपूर्ण अधिनियम या कानून को शून्य या निष्क्रिय नहीं बनाता बल्कि ऐसे प्रावधानों को निष्क्रिय बनाता है जो मौलिक अधिकारों के साथ असंगत हैं। इसलिए, विकल्प (3) सही है।
- आच्छादन का सिद्धांत: मौजूदा कानून जो मौलिक अधिकारों से असंगत है, हालांकि संविधान के प्रारंभ के समय निष्क्रिय हो जाता है, पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। सरल शब्दों में कहें इसलिए कानून मौलिक अधिकारों पर हावी हो गए हैं और निष्क्रिय बने हुए हैं, लेकिन खत्म नहीं हुए हैं। ग्रहण का सिद्धांत जो एक समय में केवल पूर्व-संवैधानिक कानूनों पर लागू होता था, लेकिन अब यह संवैधानिक-पश्चात कानूनों पर भी लागू होता है। इसलिए, विकल्प (4) सही है।
- सार और तत्व का सिद्धांत: मुख्य रूप से उन मामलों में लागू किया जाता है जहां भारत में केंद्र सरकार (संघ सूची) और राज्य सरकारों (राज्य सूची) के बीच विधायी क्षेत्राधिकार के संबंध में विवाद है। यह यह निर्धारित करने में मदद करता है कि कोई विशेष कानून संसद या राज्य विधानमंडल की विधायी शक्तियों के अंतर्गत आता है या नहीं। इसलिए, विकल्प (2) गलत है।

Q65. 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1971 से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य गोलक नाथ बनाम पंजाब राज्य में उच्चतम न्यायालय के फैसले को रद्द करना था।
2. इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 13 के अंतर्गत खण्ड (4) युग्म गया।
3. इसने मौलिक अधिकारों को संविधान में संशोधन के दायरे में ला दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: गोलक नाथ बनाम पंजाब राज्य के मामले में, शीर्ष अदालत ने 6:5 के बहुमत से माना कि अनुच्छेद 13(2) में 'कानून' शब्द में संविधान का संशोधन शामिल है और परिणामस्वरूप, यदि कोई संशोधन भारत के संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों को संक्षिप्त या छीन लेता है, तो संशोधन अधिनियम स्वयं शून्य और अधिकांशतः हो जाएगा।
- कथन 2 सही है: 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 13 में खंड (4) डाला गया था। इस खंड में प्रावधान है कि राज्य ऐसा कोई कानून नहीं बनाएगा जो अनुच्छेद 14, 15, 16,

17, 18, 19, 21 और 22 या उनमें से किसी द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छीनता या कम करता हो। इस खंड का उद्देश्य मौलिक अधिकारों को सामान्य कानून द्वारा कमजोर होने से बचाना था।

- कथन 3 सही है: 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने मौलिक अधिकारों को संविधान में संशोधन के दायरे में ला दिया। इसका मतलब यह है कि संसद अब मौलिक अधिकारों से संबंधित प्रावधानों में संशोधन कर सकती है, जिन पर पहले से रोक थी। इस संशोधन ने संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति में उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया।

Q66. नवतेज जौहर बनाम भारत संघ मामले में, यह माना गया कि आईपीसी की धारा 377 लिंग के आधार पर भेदभाव करती है। यह भारतीय संविधान के तहत निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद का उल्लंघन करता है?

- (a) अनुच्छेद 15 (1)
- (b) अनुच्छेद 15 (2)
- (c) अनुच्छेद 15(3)
- (d) अनुच्छेद 15(4)

उत्तर: a

व्याख्या:

- नवतेज जौहर बनाम भारत संघ (धारा 377 मामला) मामले में फैसले में कहा गया कि अनुच्छेद 15(1) भी भेदभाव पर रोक लगाता है जो अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे आधार पर व्यक्तियों के एक वर्ग के खिलाफ भेदभाव करता है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पहले के निर्णयों में इस तरह का निष्कर्ष दिया गया था, लेकिन धारा 377 मामले में इसकी फिर से पुष्टि की गई, जहां शीर्ष अदालत ने सहमति से समलैंगिक कृत्यों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया।
- अनुच्छेद 15(1) की इस व्याख्या के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं क्योंकि कई कानून, आईपीसी की धारा 377 की तरह, चेहरे पर तटस्थ हो सकते हैं, और केवल एक विशिष्ट समुदाय पर लागू नहीं होते हैं, लेकिन उनके प्रभाव के कारण, वास्तव में ऐसा होता है। इसलिए, विकल्प (a) सही है।

Q67. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 16 में विभिन्न संशोधनों के माध्यम से लाए गए परिवर्तनों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सरकार को पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए एक नया खंड (4) युग्म गया।
2. अनुच्छेद 16(4b), नियमित आरक्षण पर निर्धारित 50% सीमा को तोड़ने के लिए पदोन्नति में आरक्षण की अनुमति देता है।
3. 2001 में, आरक्षण देकर पदोन्नत एससी और एसटी उम्मीदवारों को परिणामी वरिष्ठता प्रदान करने के लिए खंड (4) को संशोधित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

व्याख्या:

इंदिरा साहनी मामले में फैसले के प्रभाव को बदलने के लिए, सरकार को एससी और एसटी के लिए पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में कानून बनाने में सक्षम बनाने के लिए कुछ संशोधन किए गए।

- कथन 1 सही है: इनमें से पहला संशोधन तब हुआ जब संसद ने संविधान (77वां संशोधन) अधिनियम, 1995 लागू किया, जिसमें अनुच्छेद 16(4A) शामिल किया गया, जिससे सरकार एससी और एसटी के लिए पदोन्नति में कोटा प्रदान करने वाले कानून बनाने में सक्षम हो गई।
- कथन 2 सही है: 2000 में भारतीय संविधान के 81वें संशोधन के माध्यम से पेश किया गया अनुच्छेद 16(4B), विशेष रूप से पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे को संबोधित करता है। इसने राज्य को पिछले वर्षों से अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित रिक्तियों को अगले वर्षों में आगे बढ़ाने की अनुमति दी, जिससे नियमित आरक्षण के लिए निर्धारित 50% सीमा का प्रभावी ढंग से उल्लंघन हुआ। यह प्रावधान, जिसे “कैरी फॉरवर्ड नियम” के रूप में जाना जाता है, इसका उद्देश्य सरकारी सेवा के भीतर उच्च-स्तरीय पदों पर एससी और एसटी समुदायों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।
- कथन 3 सही है: 2001 में, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों को परिणामी वरिष्ठता प्रदान करने के लिए भारत के संविधान में संशोधन किया गया था, जिन्हें आरक्षण देकर पदोन्नत किया गया था। संविधान के अनुच्छेद 16(4A) में संशोधन का उद्देश्य इस मुद्दे को संबोधित करना था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरक्षण प्रणाली के तहत पदोन्नत किए गए एससी और एसटी उम्मीदवार सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों पर अपनी वरिष्ठता बनाए रखेंगे।

Q68. भारतीय संविधान के तहत 'हड़ताल' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय न्यायपालिका ने हड़ताल के अधिकार को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है।
2. हड़ताल का अधिकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत नियंत्रित है।
3. सरकारी या निजी कर्मचारी हड़ताल कर सकते हैं लेकिन नियोक्ता को पूर्व सूचना देकर।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भारतीय न्यायपालिका ने हड़ताल के अधिकार को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। इसका मतलब यह है कि हड़ताल करने का अधिकार संविधान में स्पष्ट रूप से निहित नहीं है, लेकिन अदालतों द्वारा इसे कानून द्वारा संरक्षित अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है।
- कथन 2 सही है: हड़ताल करने का अधिकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत नियंत्रित होता है। यह अधिनियम उन शर्तों को रेखांकित करता है जिनके तहत हड़ताल कानूनी है, साथ ही उन प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है जिनका हड़ताल करने से पहले पालन किया जाना चाहिए।
- कथन 3 गलत है: जबकि निजी कर्मचारी हड़ताल बुला सकते हैं, सरकारी कर्मचारी आम तौर पर ऐसा नहीं कर सकते। इस नियम के कुछ अपवाद हैं, जैसे कि जब अनुबंध के उल्लंघन के जवाब में हड़ताल की जाती है। हालाँकि, सरकारी कर्मचारी आमतौर पर निजी कर्मचारियों की तुलना में हड़ताल के अधिकार पर अधिक प्रतिबंधों के अधीन होते हैं।

Q69. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1) के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

कथन I:

एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त करने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है।

कथन II:

ट्रेड यूनियनों ने तालाबंदी की घोषणा करने के अधिकार की गारंटी दी है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भारत की संप्रभुता और अखंडता, सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के आधार पर राज्य द्वारा इस अधिकार के प्रयोग पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इन प्रतिबंधों के अधीन, नागरिकों को वैध उद्देश्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संघ या यूनियन बनाने की पूरी स्वतंत्रता है। हालाँकि, एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त करने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है।

- कथन 2 गलत है: उच्चतम न्यायालय ने माना कि ट्रेड यूनियनों के पास प्रभावी सौदेबाजी का कोई गारंटीशुदा अधिकार या हड़ताल करने का अधिकार या तालाबंदी की घोषणा करने का अधिकार नहीं है। हड़ताल के अधिकार को उचित औद्योगिक कानून द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।

Q70. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आवागमन और निवास की स्वतंत्रता एक-दूसरे के पूरक हैं।
2. वे भारत के नागरिकों और विदेशियों दोनों के लिए उपलब्ध हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: आंदोलन और निवास की स्वतंत्रता भारतीय संविधान के तहत पूरक अधिकार हैं। संविधान का अनुच्छेद 19(1)(d) भारत के प्रत्येक नागरिक को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने और भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकार देता है। यह अधिकार आम जनता के हित में या किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की सुरक्षा के लिए कानून द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है।
- कथन 2 गलत है: आवाजाही और निवास की स्वतंत्रता केवल भारत के नागरिकों पर लागू होती है, विदेशियों पर नहीं। कोई विदेशी व्यक्ति अनुच्छेद 19(1)(e) द्वारा गारंटीकृत देश में निवास और बसने के अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। भारत सरकार के पास विदेशियों को भारत से बाहर निकालने की शक्ति है।

Q71. निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक मामले में, उच्चतम न्यायालय ने 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ अधिकार' को अनुच्छेद 21 का हिस्सा घोषित किया?

- (a) बोधिसत्व गौतम बनाम सुभा चक्रवर्ती
- (b) पीपुल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया
- (c) विशाखा बनाम राजस्थान राज्य
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार की रक्षा करता है, जिसमें सम्मान के साथ जीने का अधिकार भी शामिल है। उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि संविधान

में निहित मौलिक अधिकार लैंगिक समानता के सभी पहलुओं तक विस्तारित हैं, जिसमें यौन उत्पीड़न से सुरक्षा भी शामिल है।

- उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि महिलाओं का यौन उत्पीड़न संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित सबसे मौलिक अधिकारों, जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।
- विशाखा बनाम राजस्थान राज्य के मामले में, उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि किसी महिला का उसके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न लैंगिक समानता, जीवन और स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है, जैसा कि अनुच्छेद 14, 15 और 21 में निहित है। इसलिए, विकल्प (c) सही उत्तर है।

Q72. 'निजता के अधिकार' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ मामले में निजता के अधिकार को अनुच्छेद 21 का आंतरिक हिस्सा माना गया।
2. यह व्यक्तियों को अपने डेटा की गोपनीयता की रक्षा करने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक मामले में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मति से माना कि निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है जो संविधान के अनुच्छेद 21 में अंतर्निहित है। अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है, और न्यायालय ने पाया कि गोपनीयता व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक अनिवार्य घटक है।
- कथन 2 सही है: गोपनीयता का अधिकार व्यक्तियों को उनकी व्यक्तिगत जानकारी और डेटा को अनधिकृत पहुंच, उपयोग या प्रकटीकरण से बचाने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। इसमें यह नियंत्रित करने का अधिकार शामिल है कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी कैसे एकत्र, उपयोग और साझा की जाती है, और उनकी व्यक्तिगत जानकारी के किसी भी दुरुपयोग को चुनौती देने का अधिकार।

Q73. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. सलाहकार बोर्ड की राय प्राप्त किए बिना हिरासत की अवधि तीन महीने है।

2. हिरासत के आधार के बारे में हिरासत में लिए गए व्यक्ति को सूचित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. हिरासत में लिए गए व्यक्ति को हिरासत आदेश के खिलाफ प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 22(2) के अनुसार 'निवारक हिरासत' के मामले में गिरफ्तार व्यक्तियों को उपर्युक्त में से कौन सा अधिकार उपलब्ध है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

व्याख्या:

- अनुच्छेद 22 उन व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है जिन्हें निवारक निरोध कानून के तहत गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। यह सुरक्षा नागरिकों और विदेशियों दोनों के लिए उपलब्ध है और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
- कथन 1 सही है: लेख के खंड 4 में कहा गया है कि निवारक हिरासत के लिए बनाया गया कोई भी कानून किसी भी व्यक्ति को 3 महीने से अधिक समय तक हिरासत में रखने का अधिकार नहीं देता है जब तक कि; एक सलाहकार बोर्ड इस तरह की हिरासत के लिए पर्याप्त कारण बताता है। सलाहकार बोर्ड के लोग उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही योग्य होने चाहिए। रिपोर्ट उक्त 3 महीने की समाप्ति से पहले प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- कथन 2 गलत है: लेख के खंड 5 में कहा गया है कि कोई भी प्राधिकारी, निवारक हिरासत प्रदान करने वाले कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेते समय, जितनी जल्दी हो सके व्यक्ति को हिरासत के आधार के बारे में सूचित करेगा। हिरासत के आधार का उस उद्देश्य से तर्कसंगत संबंध होना चाहिए जिसे हासिल करने से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को रोका जाता है। संचार में जमीनी स्तर से संबंधित सभी भौतिक तथ्य उपलब्ध होने चाहिए और केवल तथ्यों का बयान नहीं होना चाहिए।
- कथन 3 सही है: लेख के खंड 5 में यह भी कहा गया है कि व्यक्ति को प्रतिनिधित्व के अधिकार को सक्षम करने के लिए हिरासत के आधार को जल्द से जल्द सूचित किया जाना चाहिए। हिरासत आदेश प्रदान करने वाला प्राधिकारी उस व्यक्ति को आदेश के विरुद्ध अभ्यावेदन करने का यथाशीघ्र अवसर देगा।

Q74. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 (विवेक की स्वतंत्रता और स्वतंत्र पेशे, अभ्यास और धर्म के प्रचार) के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा कार्य अमान्य है?

1. मंदिर में पूजा/प्रार्थना का अधिकार खत्म करना

2. राज्य द्वारा पूजा स्थल का अधिग्रहण
 3. धर्म से जुड़ी संपत्ति का स्थानांतरण
- नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भूरी नाथ और जम्मू-कश्मीर राज्य और अन्य बनाम के मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन अधिनियम, 1988 की संवैधानिकता को बरकरार रखा, जिसने माता वैष्णो देवी मंदिर में कुछ व्यक्तियों द्वारा पूजा करने के अधिकार को समाप्त कर दिया। न्यायालय ने माना कि पूजा करने का अधिकार एक पारंपरिक अधिकार है, और राज्य के पास आम जनता के हित में और मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए पारंपरिक अधिकारों को विनियमित और प्रतिबंधित करने की शक्ति है। न्यायालय ने आगे कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं है, और यह उचित प्रतिबंधों के अधीन है।
- कथन 2 सही है: एम सिद्दीक (डी) थ्र एलआरएस बनाम महंत सुरेश दास के मामले में उच्चतम न्यायालय ने माना कि राज्य के पास संपत्ति हासिल करने की संप्रभु या विशेषाधिकार शक्ति है। राज्य के पास मस्जिद, चर्च, मंदिर आदि जैसे पूजा स्थलों का अधिग्रहण करने की भी शक्ति है और पूजा स्थलों का अधिग्रहण अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, पूजा स्थलों का अधिग्रहण जो महत्वपूर्ण है और धर्म के लिए आवश्यक है और यदि ऐसे स्थान के विलुप्त होने से उनके (उस धर्म से संबंधित व्यक्तियों) धर्म का पालन करने के अधिकार का उल्लंघन होता है इसलिए ऐसे स्थानों के अधिग्रहण की अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- कथन 3 सही है: गुलाम अब्बास बनाम यूपी राज्य के मामले में, वाराणसी के मोहल्ला दोषीपुरा की एक निश्चित भूमि पर शियाओं द्वारा धार्मिक संस्कार करने को लेकर शियाओं और सुन्नीयों के बीच विवाद था। इन समुदायों के बीच झड़पों को रोकने और इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए, उच्चतम न्यायालय ने 7 सदस्यीय समिति नियुक्त की, जिसमें डिवीजनल कमीशन का अध्यक्ष और शिया संप्रदाय के 3 और सुन्नी संप्रदाय के 3 सदस्य थे। समिति ने शिया और सुन्नी संप्रदाय के पूजा स्थलों को अलग करने के लिए शियाओं की कब्रों को स्थानांतरित करने की सिफारिश की।

Q75. निम्नलिखित उच्चतम न्यायालय मामलों पर विचार कीजिए:

1. सबरीमाला मंदिर में महिलाओं का प्रवेश

2. मुस्लिम महिलाओं का मस्जिदों में प्रवेश
3. दाऊदी बोहराओं में महिला जननांग विकृति
4. अग्यारी में गैर पारसियों से विवाह करने वाली पारसी महिलाओं का प्रवेश

उपर्युक्त में से कौन सा मामला भारत के संविधान के तहत धर्म की स्वतंत्रता की मांग करता है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1, 2 और 4
- (c) 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

व्याख्या:

उपर्युक्त सभी मामले भारत के संविधान के तहत धर्म की स्वतंत्रता की मांग करते हुए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आए हैं:

- कथन 1 सही है: 2018 में, उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि केरल में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म की महिलाओं को प्रवेश से रोकने की प्रथा असंवैधानिक है। न्यायालय ने माना कि यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त समानता के मौलिक अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है।
- कथन 2 सही है: 2019 में, मुस्लिम महिलाओं के एक समूह ने भारत में मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगाने की प्रथा को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की। याचिका में तर्क दिया गया कि यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त समानता के मौलिक अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है। उच्चतम न्यायालय ने अभी तक याचिका पर फैसला नहीं सुनाया है।
- कथन 3 सही है: 2018 में, उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि दाऊदी बोहराओं के बीच महिला जननांग विकृति (एफजीएम) की प्रथा असंवैधानिक और अवैध है। न्यायालय ने माना कि यह प्रथा महिलाओं के खिलाफ हिंसा का एक रूप है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है।
- कथन 4 सही है: 2018 में, एक गैर-पारसी पुरुष से शादी करने वाली एक पारसी महिला ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिसमें गैर-पारसियों से शादी करने वाली पारसी समुदाय की महिलाओं को पारसियों के पवित्र अग्नि मंदिर अग्यारी में प्रवेश करने से रोकने की प्रथा को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया कि यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त समानता के मौलिक अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है। उच्चतम न्यायालय ने अभी तक याचिका पर फैसला नहीं सुनाया है।

Q76. 'सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के रिट क्षेत्राधिकार' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को दी गई रिट जारी करने की शक्ति अनिवार्य है।
2. अनुच्छेद 32 का प्रयोग मौलिक और अन्य अधिकारों को लागू करने के लिए भी किया जाता है।
3. उच्च न्यायालयों को प्रदत्त शक्तियाँ सर्वोच्च न्यायालय को प्रदत्त शक्तियों की तुलना में व्यापक हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 3
- (b) केवल 1
- (c) 1 और 2
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को दी गई रिट जारी करने की शक्ति अनिवार्य है। इसका मतलब यह है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करना सर्वोच्च न्यायालय का संवैधानिक दायित्व है और वह उन्हें लागू करने के लिए रिट जारी कर सकता है।
- कथन 2 गलत है: अनुच्छेद 32 केवल मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए लागू किया गया है। इसका उपयोग अन्य अधिकारों, जैसे वैधानिक अधिकार या सामान्य कानून अधिकार को लागू करने के लिए नहीं किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालयों को व्यापक शक्तियाँ प्रदान करता है। यह प्रशासन को नियंत्रित करने के लिए न्यायिक शक्ति के एक बड़े भंडार के रूप में कार्य करता है। अनुच्छेद 226 के तहत इसकी शक्ति को कानून द्वारा कम नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, अनुच्छेद 226 के तहत प्रदत्त उच्च न्यायालयों की शक्तियाँ भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को प्रदत्त शक्तियों की तुलना में व्यापक हैं।

Q77. संविधान का अनुच्छेद 33 मौलिक अधिकारों को संशोधित करने की संसद की शक्ति से संबंधित है:

1. अर्धसैनिक बल
2. पुलिस बल
3. खुफिया एजेंसियाँ
4. अनुरूप बल

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1, 2 और 4

(c) 2, 3 और 4

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

व्याख्या:

- संविधान का अनुच्छेद 33 मौलिक अधिकारों को संशोधित करने की संसद की शक्ति से संबंधित है, जो यह प्रावधान करता है कि संसद, कानून द्वारा, यह निर्धारित कर सकती है कि इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों में से कोई भी किस हद तक उनके आवेदन में होगा:
- सशस्त्र बलों के सदस्य; या
- बलों के सदस्यों पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का आरोप लगाया गया है; या
- खुफिया या काउंटर इंटेलिजेंस के प्रयोजनों के लिए राज्य द्वारा स्थापित किसी ब्यूरो या अन्य संगठन में कार्यरत व्यक्ति; या
- खंड (a) से (b) में निर्दिष्ट किसी भी बल, ब्यूरो या संगठन के उद्देश्यों के लिए स्थापित दूरसंचार प्रणालियों में कार्यरत या उनके संबंध में व्यक्तियों को प्रतिबंधित या निरस्त किया जाएगा ताकि उनके उचित निर्वहन को सुनिश्चित किया जा सके। कर्तव्य और उनके बीच अनुशासन बनाए रखना।

Q78. “संपत्ति का अधिकार” के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. यह संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है।
2. 1978 में 44वें संविधान संशोधन के साथ यह मौलिक अधिकार नहीं रह गया।
3. यह अब भारतीय संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 300A के तहत एक कानूनी अधिकार है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: संपत्ति के अधिकार को कभी भी संविधान की मूल संरचना के हिस्से के रूप में स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया था। हालाँकि, 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा इसे मौलिक अधिकारों की सूची से हटाए जाने तक इसे मौलिक अधिकार माना जाता था।
- कथन 2 सही है: 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने भाग III से अनुच्छेद 19(1)(F) और अनुच्छेद 31 को निरस्त करके मौलिक अधिकार के रूप में संपत्ति के अधिकार को समाप्त कर दिया।

- कथन 3 सही है: इसके बजाय, अधिनियम ने भाग XII में 'संपत्ति का अधिकार' शीर्षक के तहत एक नया अनुच्छेद 300A डाला। इसमें प्रावधान है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। इस प्रकार, संपत्ति का अधिकार अभी भी एक कानूनी अधिकार या संवैधानिक अधिकार बना हुआ है, हालांकि अब यह मौलिक अधिकार नहीं है। यह संविधान की मूल संरचना का हिस्सा नहीं है।

Q79. भारतीय संविधान के मूल संरचना के सिद्धांत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान की मूल संरचना बनाने वाले प्रावधानों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के तहत सूचीबद्ध किया गया है।
2. केशवानंद भारती वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मूल संरचना का सिद्धांत 24 अप्रैल, 1973 के बाद अधिनियमित संवैधानिक संशोधनों पर लागू होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभी तक यह परिभाषित या स्पष्ट नहीं किया है कि संविधान की मूल संरचना में कौन कौनसे प्रावधान शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के आधार पर हम संविधान की मूल संरचना के कुछ प्रावधानों को अलग कर सकते हैं। हालाँकि, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के तहत उल्लिखित ऐसे प्रावधानों की कोई सूची नहीं है।
- **कथन 2 गलत है:** वामन राव वाद (1981) में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मूल संरचना का सिद्धांत 24 अप्रैल, 1973 के बाद अधिनियमित संवैधानिक संशोधनों पर लागू होगा। केशवानंद भारती निर्णय 24 अप्रैल, 1973 को सर्वोच्च न्यायालय की 13 जजों की पीठ द्वारा सुनाया गया था तथा 'मूल संरचना' (Basic Structure) का ऐतिहासिक सिद्धांत दिया गया।

Q80. रिट के निम्नलिखित युग्मों और उनके अनुप्रयोगों पर विचार करें:

रिट के प्रकार	अनुप्रयोग
उत्प्रेषण	किसी विशिष्ट आधिकारिक कार्य या कर्तव्य के पालन का आदेश देने वाली सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी रिट
परमादेश	निचली अदालतों में लंबित मामले को स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय का आदेश

अधिकार पृच्छा	जब किसी व्यक्ति द्वारा किसी सार्वजनिक पद पर अवैध कब्ज़ा किया जाता है तो न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति को आदेश दिया जाता है।
---------------	--

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर- (a)

व्याख्या

- परमादेश एक उच्च न्यायालय द्वारा जारी एक रिट है, जो किसी निर्दिष्ट आधिकारिक कार्य या कर्तव्य के पालन का आदेश देता है। उत्प्रेषण का उपयोग अदालत द्वारा उस मामले को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है जो निचली अदालतों में लंबित है या किसी मामले में निचली अदालतों द्वारा दिए गए आदेश को निरस्त करने की आवश्यकता है। अधिकार पृच्छा का उपयोग तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक कार्यालय या पद पर अवैध रूप से आसीन होता है। अतः विकल्प (a) सही है।
- **कथन 3 गलत है:** 1991 की नई आर्थिक नीति (एनईपी) ने भारतीय राज्य की समाजवादी साख को कमजोर कर दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एनईपी सुधारों में राज्य के नेतृत्व वाले विकास से बाजार के नेतृत्व वाले विकास में बदलाव शामिल था। इस बदलाव के कारण अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका में कमी आई है और निजी क्षेत्र की भूमिका में वृद्धि हुई है।

Q81. निम्नलिखित में से किस संवैधानिक संशोधन द्वारा अनुच्छेद 19 में उल्लिखित संपत्ति के अधिग्रहण, धारण और निपटान की स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है?

- (a) चौबीसवाँ संशोधन
- (b) बयालीसवाँ संशोधन
- (c) चौवालीसवाँ संशोधन
- (d) नब्बेवाँ संशोधन

उत्तर- (c)

व्याख्या

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में दी गई व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सूची से संपत्ति के अधिग्रहण, धारण और निपटान की स्वतंत्रता को हटा दिया गया है। इसे 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा हटाया गया था। अतः विकल्प (c) सही है।

Q82. निम्नलिखित में से कौन सी सरकार की संसदीय प्रणाली की विशेषताएं हैं?

1. बहुमत दल का शासन
2. दोहरी कार्यपालिका

3. सामूहिक जिम्मेदारी
4. शक्तियों का पृथक्करण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (c)

व्याख्या

- संसदीय प्रणाली की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:
 - ✓ दोहरी कार्यपालिका
 - ✓ बहुमत दल का शासन
 - ✓ सामूहिक जिम्मेदारी
 - ✓ राजनीतिक एकरूपता
 - ✓ दोहरी सदस्यता
 - ✓ प्रधानमंत्री का नेतृत्व
 - ✓ निचले सदन का विघटन
 - ✓ शक्तियों का संलयन (कार्यपालिका, विधायिका का हिस्सा है)
- राष्ट्रपति शासन प्रणाली सरकार के तीन अंगों के बीच शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत पर आधारित है। अतः विकल्प (c) सही है।

Q83. निम्नलिखित में से कौन से निदेशक सिद्धांत 1976 के 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़े गए थे?

1. आय और अवसरों में असमानताओं को कम करना।
2. बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर सुरक्षित करना।
3. समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर (b)

व्याख्या

- 1976 के 42वें संशोधन अधिनियम ने मूल सूची में चार नए निदेशक सिद्धांत जोड़े।

- वे राज्य से यह अपेक्षा करते हैं:
- बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए सुरक्षित अवसर (अनुच्छेद 39)।
- समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना (अनुच्छेद 39 ए)।
- उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं (अनुच्छेद 43 ए)।
- पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना (अनुच्छेद 48 ए)।
- आय, स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करने के लिए 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से जोड़ा गया था। अतः विकल्प (b) सही है।

Q84. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:

1. कठोर संविधान
2. स्वतंत्र न्यायपालिका
3. संविधान की सर्वोच्चता
4. शक्तियों का विभाजन नहीं

उपरोक्त में से कौन सी संघीय सरकार की विशेषताएं हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (a)

व्याख्या

भारत की संघीय व्यवस्था की विशेषताएं हैं:

- द्वैध सरकार
- विभिन्न स्तरों के बीच शक्तियों का विभाजन
- संविधान की कठोरता
- स्वतंत्रता न्यायपालिका
- द्विसदन

संघीय सरकार में शक्तियों का विभाजन होता है, जबकि एकात्मक सरकार में शक्तियों का कोई विभाजन नहीं होता है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q85. सरकार के सबसे सामान्य स्वरूप के रूप में लोकतंत्र के उदय में किन कारक/कारकों ने योगदान दिया है?

1. यह सरकार के सबसे स्थिर स्वरूप का प्रावधान करता है।
2. यह त्वरित और सही निर्णय लेना सुनिश्चित करता है।

3. यह सरकार की जवाबदेहीता को कम करता है।
4. यह आय असमानताओं का उन्मूलन सुनिश्चित करता है।

नीचे दिए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुने ।

- (a) केवल 3
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या :

- लोकतंत्र शासन प्रणाली का एक रूप है जिसमें शासक का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है। लोकतंत्र आज विश्व में सरकार का सबसे प्रचलित रूप है और इसका विस्तार अधिक देशों में हो रहा है
- **कथन 1 गलत है:** लोकतंत्र में नेतृत्व बार-बार परिवर्तित होता है। कभी-कभी इससे बड़े फैसले विफल हो सकते हैं और सरकार की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- **कथन 2 गलत है:** निर्णय लेने में लोगों को शामिल करने से निर्णय लेने में देरी होती है। साथ ही, यह इस बात की गारंटी नहीं देता कि सहभागी निर्णय अच्छे होंगे।
- **कथन 3 सही है:** एक लोकतांत्रिक सरकार एक बेहतर सरकार है क्योंकि यह सरकार का अधिक जवाबदेह रूप है।
- **कथन 4 गलत है:** लोकतंत्र आर्थिक समानता सुनिश्चित नहीं करता है। सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के बावजूद, इसने हमारे देश और दुनिया के अन्य हिस्सों में गरीबी खत्म नहीं की है।

Q86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय संघीय व्यवस्था अमेरिकी मॉडल पर आधारित है।
2. संविधान में कहीं भी फेडरेशन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है।
3. लिखित संविधान का अस्तित्व संघीय व्यवस्था की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर- (b)

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** भारतीय संघीय प्रणाली कनाडाई मॉडल पर आधारित है न कि अमेरिकी मॉडल पर। कनेडियन मॉडल अमेरिकी मॉडल की तुलना में कहीं अधिक मजबूत केंद्र स्थापित करता है।
- **कथन 2 सही है:** भारतीय संविधान में फेडरेशन शब्द का कहीं भी उपयोग नहीं किया गया है। इसके स्थान पर अनुच्छेद 1 के अंतर्गत 'राज्यों का संघ' शब्द का प्रयोग किया गया है।
- **कथन 3 सही है:** संघवाद का सार संघ और राज्यों का अस्तित्व और लिखित संविधान द्वारा उनके बीच शक्तियों का वितरण है।

Q87. भारत को 'राज्यों के समूह' के बजाय 'राज्यों के संघ' के रूप में क्यों वर्णित किया गया है, इसके संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. **कथन I:** भारतीय संघ राज्यों के बीच एक समझौते का परिणाम है।
2. **कथन II:** राज्यों को संघ से अलग होने का कोई अधिकार नहीं है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से सही है/हैं ?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या

- **कथन I गलत है:** अनुच्छेद 1 में भारत का वर्णन 'राज्यों के समूह' के बजाय 'राज्यों के संघ' के रूप में किया गया है। यह प्रावधान दो चीजों से संबंधित है: एक देश का नाम और दूसरा, राज्य व्यवस्था का प्रकार। देश के नाम को लेकर संविधान सभा में एकमत नहीं थी, कुछ सदस्यों ने पारंपरिक नाम (भारत) का सुझाव दिया जबकि अन्य ने आधुनिक नाम (इंडिया) की वकालत की।
- **कथन II सही है:** अमेरिकी संघ के विपरीत, भारतीय संघ राज्यों के बीच किसी समझौते का परिणाम नहीं है। राज्यों को संघ से अलग होने का कोई अधिकार नहीं है। फेडरेशन एक संघ है क्योंकि यह अविनाशी है। देश एक अभिन्न अंग है और केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए विभिन्न राज्यों में विभाजित है।

Q88. समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. इसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 45 के तहत किया गया है।
2. यह गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है।

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) का उल्लेख संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक किया गया है। अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 45 सभी बच्चों की प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा से संबंधित है।
- **कथन 2 गलत है:** समान नागरिक संहिता (यूसीसी) गांधीवादी सिद्धांतों का हिस्सा नहीं है। समान नागरिक संहिता उदारवाद की विचारधारा को दर्शाता है।

Q89. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 43 में श्रमिकों के लिए 'न्यूनतम' और 'उचित वेतन' का उल्लेख है।
2. उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी 44वें संशोधन अधिनियम 1978 के माध्यम से सम्मिलित एक नीति निर्देशक तत्व है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** हमारे संविधान में अनुच्छेद 43 में श्रमिकों के लिए 'जीविका मजदूरी' का उल्लेख है। 'जीविका मजदूरी' को 'न्यूनतम' और 'उचित मजदूरी' से अलग किया गया है। 'जीविका मजदूरी' ऐसी मजदूरी है जो कमाने वाले को अपने और अपने परिवार के लिए न केवल मूलभूत आवश्यकताएं बल्कि मितव्ययी सुख-सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम बनाती है। दूसरी ओर, 'न्यूनतम वेतन' एक श्रमिक और उसके परिवार की न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। 'उचित मजदूरी' 'जीविका मजदूरी' और न्यूनतम मजदूरी के बीच का माध्य है।
- **कथन 2 गलत है:** अनुच्छेद 43A संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा जोड़ा गया था, इसमें उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी शामिल है।

Q90. निम्नलिखित में से कितने नीति-निर्देशक तत्व गांधीवादी सिद्धांत से संबंधित हैं?

1. सहकारी समितियों का व्यावसायिक प्रबंधन
2. कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना
3. कृषि एवं पशुपालन को आधुनिक एवं वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित करना
4. गरीबों को समान न्याय और निःशुल्क कानूनी सहायता को बढ़ावा देना

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए ।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर- (b)

व्याख्या

गांधीवादी सिद्धांतों की सूची निम्नलिखित है-

अनुच्छेद 40	ग्राम पंचायतों को संगठित करें और उन्हें स्वशासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक शक्तियां और अधिकार प्रदान करें
अनुच्छेद 43	ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत अथवा सहयोग के आधार पर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना
अनुच्छेद 43B	सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कामकाज, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देना
अनुच्छेद 46	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना और उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाना
अनुच्छेद 47	स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीले पेय और दवाओं के सेवन पर रोक लगाएं
अनुच्छेद 48	गाय, बछड़े और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्लों में सुधार करना

- कृषि एवं पशुपालन को आधुनिक एवं वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित करना उदार बौद्धिक सिद्धांतों के अंतर्गत शामिल है। गरीबों को समान न्याय और मुफ्त कानूनी सहायता को बढ़ावा देना समाजवादी सिद्धांतों के अंतर्गत शामिल है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q91. निम्नलिखित में से किस संशोधन अधिनियम ने एसईबीसी या सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को मान्यता देने के लिए राज्य सरकार का नियंत्रण पुनः स्थापित किया?

- (a) 97वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (b) 102वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (c) 104वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (d) 105वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम

उत्तर- (d)

व्याख्या

- 105वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, या भारतीय संविधान के 105वें संशोधन ने एसईबीसी या सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को मान्यता देने के लिए राज्य सरकार का नियंत्रण स्थापित कर दिया है।
- अधिनियम के अनुसार, राष्ट्रपति केवल केंद्र सरकार के उद्देश्यों के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची को अधिसूचित कर सकते हैं। यह केंद्रीय सूची केंद्र सरकार द्वारा तैयार और अनुरक्षित की जाएगी।
- अधिनियम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की अपनी सूची तैयार करने में सक्षम बनाता है। इसलिए, विकल्प (d) सही है।

Q92. भारतीय न्याय संहिता 2023 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 का स्थान लेगा।
2. इसमें राजद्रोह के अपराध को नहीं हटाया गया है।
3. संगठित अपराध को जुर्म के रूप में जोड़ा गया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भारतीय न्याय संहिता 2023 ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 (भारत में आपराधिक जुर्मों से संबंधित प्रमुख कानून) का स्थान ले लिया है।
- कथन 2 गलत है: इसमें राजद्रोह के अपराध को हटा दिया गया है। राजद्रोह अब अपराध नहीं है। इसके बजाय, भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध है।

- कथन 3 सही है: संगठित अपराध को अपराध के रूप में जोड़ा गया है। इसमें अपराध संघ की ओर से किए गए अपहरण, जबरन वसूली और साइबर अपराध जैसे अपराध शामिल हैं। छोटे-मोटे संगठित अपराध भी अब अपराध हैं।

Q93. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. "भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याएं" रिपोर्ट एनसीआरबी द्वारा प्रकाशित की जाती है।
2. यह देश में सभी उंगलियों के निशान (फिंगर प्रिंट) का राष्ट्रीय कोष है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: "भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याएं" रिपोर्ट एनसीआरबी द्वारा प्रकाशित की जाती है। रिपोर्ट में दुर्घटनाओं और आत्महत्याओं के कारण होने वाली मौतों की जानकारी शामिल होती है।
- कथन 2 सही है: एनसीआरबी देश में सभी उंगलियों के निशान (फिंगर प्रिंट) का राष्ट्रीय कोष है। एनसीआरबी के तहत सेंट्रल फिंगर प्रिंट ब्यूरो देश में सभी फिंगर प्रिंट का एक राष्ट्रीय कोष है एवं इसमें दोषी ठहराए गए तथा गिरफ्तार किए गए अपराधियों के एक मिलियन से अधिक दस अंकों के फिंगर प्रिंट डेटाबेस मौजूद हैं और यह फिंगरप्रिंट विश्लेषण और आपराधिक अनुरेखण प्रणाली (FACTS) पर जानकारी सुविधा प्रदान करता है।

Q94. सूचना का अधिकार (RTI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) है।
2. इसने सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 का स्थान ले लिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार नोडल एजेंसी कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) है। योजना का प्राथमिक लक्ष्य अधिक जवाबदेह और पारदर्शी सरकार की दिशा में योगदान करना है।
- कथन 2 सही है: सूचना का अधिकार (Right to Information-RTI) ने सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 का स्थान ले लिया है।

Q95. भारत के संविधान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. किसी भी उच्च न्यायालय को किसी केंद्रीय कानून को संवैधानिक रूप से अवैध घोषित करने का अधिकार नहीं है।
2. भारत के संविधान में संशोधन पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- किसी भी उच्च न्यायालय को किसी केंद्रीय कानून को संवैधानिक रूप से अवैध घोषित करने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, 1977 के 43वें संशोधन अधिनियम ने मूल स्थिति को बहाल कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय के पास न्यायिक समीक्षा की शक्ति है, जिसका अर्थ है कि वह संवैधानिक संशोधनों सहित किसी भी कानून की संवैधानिकता की जांच कर सकता है। अतः विकल्प (d) सही है।

Q96. निम्नलिखित में से किसने सुझाव दिया कि, राज्यपाल को राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए और उसे ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिए जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हो या उसने हाल ही के वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो?

- (a) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (1966)
- (b) राजमन्मार समिति (1969)
- (c) सरकारिया आयोग (1983)
- (d) संविधान की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग (2000)

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सरकारिया आयोग ने अपनी रिपोर्ट (1988) में सिफारिश कि, राज्यपाल को राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए और उसे ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिए जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हो या उसने हाल ही के वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो?

Q97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत की संसद किसी विशेष कानून को भारत के संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल सकती है।
2. नौवीं अनुसूची में शामिल किये गये किसी कानून की न्यायिक समीक्षा किसी भी न्यायालय द्वारा नहीं की जा सकती और न ही उस पर कोई निर्णय दिया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** SC ने अनुच्छेद 31-B की वैधता और किसी विशेष कानून को नौवीं अनुसूची में रखने की संसद की शक्ति को बरकरार रखा।
- **कथन 2 गलत है:** सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया कि नौवीं अनुसूची में रखे गए कानून की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है।

Q98 निम्नलिखित में से किसे “विधि के शासन” की मुख्य विशेषता माना जाता है?

1. शक्तियों का परिसीमन
2. विधि के समक्ष समानता
3. सरकार के प्रति जन-उत्तरदायित्व
4. स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

विधि के शासन की विशेषता हैं:

- शक्तियों का परिसीमन
- विधि के समक्ष समानता
- स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार

- विधि के प्रति जवाबदेही
- कानून के क्रियान्वयन में निष्पक्षता

अतः विकल्प (c) सही है।

Q99. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यदि विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा का सदस्य नहीं रह जाता है तो उसे अपना पद खाली करना होगा।

2. जब भी विधानसभा विघटित होती है तो अध्यक्ष को अपना पद तुरंत खाली करना पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- विधानसभा के कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष पद पर बना रहता है। वह निम्नलिखित तीन मामलों में से किसी एक में अपना पद पहले कार्यकाल से पहले त्याग देता है:
 - यदि वह विधानसभा का सदस्य नहीं रहता है।
 - यदि वह उपाध्यक्ष को पत्र लिखकर इस्तीफा देता है।
 - यदि उसे विधानसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा हटाया जाता है। ऐसा प्रस्ताव केवल 14 दिन की अग्रिम सूचना देने के बाद ही लाया जा सकता है।

विघटन के बाद विधानसभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक अध्यक्ष अपना पद खाली नहीं करता है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Q100. निम्नलिखित में से कौन सा विधि और स्वाधीनता के बीच सबसे उपयुक्त संबंध को दर्शाता है?

- (a) यदि विधियाँ अधिक हैं तो स्वाधीनता कम होती है।

(b) यदि विधि नहीं है तो स्वाधीनता भी नहीं है।

(c) यदि स्वाधीनता है तो विधि निर्माण जनता को करना होगा।

(d) यदि विधि परिवर्तन बार-बार होता है तो वह स्वाधीनता के लिए खतरा होगा।

उत्तर:(b)

व्याख्या:

- जॉन लॉक के अनुसार “विधि को समाप्त करने का उद्देश्य स्वतंत्रता को संरक्षित करना और बढ़ाना है।” जहां विधि नहीं, वहां स्वतंत्रता भी नहीं, क्योंकि स्वतंत्रता का अर्थ दूसरों के संयम और हिंसा से मुक्त होना है, जो वहां नहीं हो सकता, जहाँ कोई विधि नहीं है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

